जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 125 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 26 नवम्बर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

15 साल राज किया, पर 15 सीटों पर सिमटी कांग्रेस महाराष्ट्र में

क्या राहुल गाँधी कांग्रेस को चुनाव जिताने में असक्षम एवं असफल साबित हो गए हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। क्या राहुल गांधी कांग्रेस को एक ऐसी सुसंगत, एकजुट तथा चुनाव जीतने वाली पार्टी का रुप देने में असफल हो गये हैं, जिसकी संगठनात्मक जड़ें गहरी हों तथा जिसकी विभिन्न कमेटियों में ऐसे नेता हों, जो सत्यनिष्ठा के साथ काम कर सकते हों?

- कमज़ोर संगठन और ईमानदारी के साथ पार्टी के लिए काम करने वाले नेताओं के संकट से जूझ रही पार्टी में अधिकांश राज्यों में संगठन के प्रमुख पद खाली पड़े हैं।
- असल में राहुल कुछ ही नेताओं पर भरोसा करते हैं और ये नेता अपनी मर्जी से राहुल को चलाते हैं। इनमें सबसे पहला नाम है के.सी. वेणुगोपाल का, जो राहुल के दाएं हाथ माने जाते हैं।
- लेकिन अब वेणुगोपाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रियंका गांधी के रूप में पार्टी में नया पावर सैंटर उभर रहा है और वेणुगोपाल को अब अगर अपना पद बचाना है तो प्रियंका को भी प्रसन्न रखना होगा।
- वर्ष 2019 के बाद से कांग्रेस ने कई चुनाव हारे हैं पर किसी ने भी हार से कोई सबक नहीं सीखा। हार के लिए किसी की भी जिम्मेवारी तय नहीं की जाती है। जिन नेताओं के नेतृत्व में पार्टी को राज्यों में शर्मनाक हार मिली वे आज भी संगठन में महत्वपूर्ण बने हुए हैं, शायद यही कारण है कि एक हार के बाद पार्टी अगली हार की ओर बढ़ जाती है।

महाराष्ट्र में कांग्रेस की जबरदस्त पराजय बता रही है कि सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। महाराष्ट्र में 15 साल कांग्रेस का शासन रहा और 288 सदस्यों वाली विधानसभा में उसके पास केवल 15 सीट हैं।

राहुल गांधी विभिन्न राज्यों में कार्यालय प्रभारी नियुक्त करने में एक चुनाव-जिताऊ तन्त्र बनाने में तथा निष्ठा से काम करने वाले नेताओं को आगे लाने में असमर्थ रहे हैं।

उनकी समस्या यह है कि उनके पास ऐसे चन्द गिने-चुने नेता हैं, जिन पर वे भरोसा करते हैं, जिन पर उन्हें विश्वास है और उन्होंने उन नेताओं को निर्णय लेने की नियुक्तियाँ करने की, रणनीति तय करने की तथा अपने हिसाब से पार्टी चलाने की छूट दे रखी है।

इनमें सबसे पहले आते हैं, के.सी. वेणुगोपाल, जो राहुल के दाहिने हाथ हैं तथा जो सारे महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं तथा नियुक्तियाँ करते हैं।

वे वायनाड में प्रियंका गांधी के पीछे लगे रहने पर इतना ध्यान दे रहे थे, मानों उन्हें प्रियंका को अपनी प्रति पूरी तरह अनुकूल बनाये रखना हो, क्योंकि वे कांग्रेस में सत्ता के एक बड़े केन्द्र के रूप में उभरने ही वाली हैं। अगर वेणुगोपाल अपने पद को बनाये रखना चाहते हैं, तो अब उनको प्रियंका गांधी के इर्द-गिर्द चक्कर लगाते ही रहने होंगे।

वेणुगोपाल का ध्यान महाराष्ट्र या झारखंड के चुनावों की तरफ बिलकुल भी नहीं था।

हरियाणा में मिली अप्रत्याशित हार के बाद, कांग्रेस वहाँ से कोई सबक सीखने में असफल रही। कोई जिम्मेदारी तय नहीं की गई, कोई आत्म-निरीक्षण नहीं किया गया, और अब पार्टी को महाराष्ट्र के नतीजों का सामना करना है। नाना पटोले ने अपने इस्तीफे की पेशकश की, लेकिन समझा जाता है कि उनसे कह दिया गया बताते हैं कि वे एक नई समस्या पैदा नहीं करें, क्योंकि फिर अन्य लोगों पर भी जिम्मेदारी तय करनी पड़ेगी।

एक मीटिंग में, राहुल गांधी के चन्द गिने-चुने नवरत्नों ने उन्हें विश्वास दिलाया कि ई.वी.एम. हैक नहीं की जा सकतीं। इनमें से कई नेता, वरिष्ठ भाजपा नेताओं के सम्पर्क में माने जाते हैं क्योंकि उन्हें उनके खिलाफ केस बनाये जाने का डर है या फिर कुछ अन्य कारण हैं।

पार्टी में यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या समय आ गया है कि राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनने का निर्णय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अडानी और मणिपुर की भेंट चढ़ा शीतकालीन सत्र का पहला दिन

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 नवंबर। संसद के शीत सत्र के पहले ही दिन लोकसभा तथा राज्यसभा, दोनों को व्यवधान का सामना करना पड़ा क्योंकि, विपक्षी दल के नेता अडानी रिश्वत केस तथा मणिपुर हिंसा पर अविलंब चर्चा की मांग करते रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने, सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालने के, विपक्ष के प्रयास की आलोचना की। संसद की कार्यवाही अब बुधवार को फिर शुरू होगीं, क्योंकि, मंगलवार को दोनों सदनों में संविधान के 75 वर्षों का जश्न मनाया जाएगा।

विपक्षी दल इस मुद्दे पर एकजुट हैं कि अडानी पर रिश्वत आरोपों की जवाबदेही सरकार की है, जबकि, शीत सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री की टिप्पणियां, सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाती हैं।

- पहले दिन ही लोकसभा पूरे दिन के लिए स्थगित, अब बुधवार को पुनः काम शुरू होगा।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने आज लगभग एक घंटे के लिए, दोपहर 12 बजे तक सदन को स्थगित कर दिया और बाद में 12 बजे जब सदन की कार्यवाही पुनः शुरू हुई तो, पीठासीन अधिकारी संध्या रे ने उनके तुरंत बाद लोकसभा को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया। कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने धरना प्रदर्शन करके अडानी के विरूद्ध रिश्वत के आरोपों मामलों और मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग की।

गत सप्ताह, विश्व के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक, गौतम अडानी व सात अन्य पर अमेरिका के सरकारी वकीलों ने दोषारोपण किया था। इन लोगों पर आरोप था कि, सोलर पावर सप्लाई कांट्रैक्ट हासिल करने के लिए इन्होंने कई राज्यों के भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी। अडानी ग्रुप ने इन आरोपों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं

अमित शाह ने देवेन्द्र फड़नवीस, एकनाथ शिंदे और अजीत पवार से मीटिंग कर फॉर्मूला तय किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। भाजपा नेता देवेन्द्र फड़नवीस, जो जाति से ब्राह्मण हैं, तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बन सकते हैं। आधे कार्यकाल अर्थात ढाई साल बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी एकनाथ शिंदे को मिलेगी। शिंदे और पवार उपमुख्यमंत्री बनेंगे।

यह फॉर्मूला केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तीनों नेताओं से मुलाकात करने के बाद निकाला है। सूत्रों का कहना है कि शिंदे मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं थे पर जब शाह ने उनसे वादा किया कि आधे कार्यकाल के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा और अगले चुनाव के समय वे ही मुख्यमंत्री होंगे तब जाकर एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा छोड़ने के लिए माने। नई सरकार संभवतया मंगलवार को शपथ लेगी।

महायुति सरकार की नई व्यवस्था में शिंदे सेना के 12 मंत्री होंगे और एन.सी.पी. के दस।

शुरु के ढाई साल तक देवेन्द्र फड़नवीस मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालेंगे और चर्चा है कि ढाई साल बाद जब फड़नवीस मुख्यमंत्री के पद से त्यागपत्र दे देंगे तब उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। तब तक केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर कार्यकाल में एक बार फिर विस्तार दिया जा सकता है।

- नए फार्मूला के तहत, शुरू के ढाई साल देवेन्द्र फड़नवीस मुख्यमंत्री बनेंगे और बाद के ढाई साल एकनाथ शिंदे।
- शिंदे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावेदारी छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे पर अंततः शाह के समझाने पर वे मान गए।
- नई व्यवस्था में शिंदे और अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा तथा शिंदे गुट के 12 और एन.सी.पी. के 10 मंत्री होंगे।
- सूत्रों ने बताया कि ढाई साल बाद जब फड़नवीस महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री पद छोड़ेंगे तो उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

खुली जेल में सैटेलाइट अस्पताल के निर्माण पर कोर्ट कमिश्नर नियुक्त

जयपुर, 25 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने सांगानेर स्थित देश की पहली खुली जेल में राज्य सरकार की ओर से 300 बैड्स के सेटेलाइट हॉस्पिटल बनाए जाने के मुद्दे पर जनकल्याण व खुली जेल की व्यवस्था को संरक्षित रखते हुए, हॉस्पिटल बनाने की मंशा जताई है। इसके साथ ही, अदालत ने खुली जेल परिसर के मौका-मुआयना के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर उससे चरणबद्ध योजना व रिपोर्ट देने के लिए कहा है। अदालत ने कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट आने तक आगामी सुनवाई स्थगित रखी है। जस्टिस बी.आर. गवई व के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ ने यह आदेश प्रसून गोस्वामी की अवमानना याचिका पर दिया। अदालत ने राज्य सरकार को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि निर्माण कार्य में खुली जेल की सुविधाएं भी संरक्षित रहें। वहीं, निर्माण से पहले जेल में रहने

- सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त कमिश्नर जाँच करेगा कि खुली जेल की सुविधाएं संरक्षित रहें।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झारखंड की नई विधानसभा में 71 करोड़पति विधायक

करोड़पति विधायकों की संख्या 2014 में 41 और 2019 में 56 थी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। एक चीज़ ऐसी है जो पूरे देश में सभी राजनीतिक दलों को एक सूत्र में बांधती है: चुनावों में करोड़पतियों की संख्या उदाहरण के लिए झारखंड में चयनित करोड़पतियों की संख्या 2014 में 41 थी जो कि 2019 में बढ़कर 56 हो गई। ये आंकड़े, झारखंड इलैक्शन वॉच एण्ड द एसोसिएशन ऑफ डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने जारी किए हैं। हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में भी यही ट्रैंड देखा गया और इस बार नवनिर्वाचित विधायकों में से 89 प्रतिशत विधायकों की संपत्ति करोड़ों की है। दूसरे शब्दों में, नवनिर्वाचित विधायकों में से 71 विधायक करोड़पति पाए ग, जो कि 2019 के ऐसे विधायकों से 20 प्रतिशत अधिक है। ऐसे अमीर विधायक सभी राजनीतिक दलों में है।

- करोड़पति विधायकों में पहले नम्बर पर हैं कांग्रेस के रामेश्वर ओरांव, जिनकी सम्पत्ति 42.20 करोड़ रु है। दूसरे नम्बर पर भाजपा विधायक कुशवाहा शशि भूषण मेहता और तीसरा नम्बर है आर.जे.डी. के संजय प्रसाद यादव का।
- 71 करोड़पति विधायकों में से सर्वाधिक 28 विधायक आदिवासियों की पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा से हैं और 20 भाजपा से। कांग्रेस के करोड़पति विधायकों की संख्या 14 है, आर.जे.डी. के 5 तो सी.पी.आई.एम.एल. (लिबरेशन) के चार व एल.जे.पी., जद (यू) और ए.जे. एस.यू. का एक-एक विधायक करोड़पति है।
- ये आंकड़े झारखंड इलैक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डैमोक्रैटिक रिफॉर्म्स ने संयुक्त रूप से जारी किए हैं।

कांग्रेस के रामेश्वर ओरांव इस बार सबसे अमीर विधायक के रूप में सामने आए हैं। उनकी संपत्ति 42.20 करोड़ की आंकी गई है।

भाजपा के कुशवाहा शशि भूषण मेहता, जो पनकी विधान सभा सीट से विजयी रहे हैं। दूसरे नम्बर के सबसे अमीर विजयी प्रत्याशी हैं। इनकी कुल संपत्ति 31.15 करोड़ मूल्य की है। रिपोर्ट के अनुसार गोड्डा सीट से जीतने वाले आर.जे.डी. के संजय प्रसाद यादव, 29.59 करोड़ की कुल संपत्ति के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो से ज्यादा संतान वालों की पदोन्नति की राह खुली

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कार्मिक विभाग के 16 मार्च, 2023 की अधिसूचना के आधार पर, दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को संबंधित सालों से पदोन्नत करने के मामले में रोक लगाने के आदेश को संशोधित कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने पदोन्नति पर लगी रोक को हटाते हुए, होने वाली पदोन्नितयों को याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रखा है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश संतोष व अन्य की याचिका पर राज्य सरकार की ओर से दायर स्टे प्रार्थना पत्र पर

- कार्मिक विभाग ने दो से ज्यादा संतान वालों की पदोन्नति के बारे में मार्च 2023 में अधिसूचना जारी की थी। अदालत ने इस अधिसूचना पर रोक लगा दी थी। आज चीफ जस्टिस की खंडपीठ ने यह रोक हटा दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में मनमानी राजनैतिक नियुक्तियां कीं वेणुगोपाल ने

पार्टी सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल ने जाति, धर्म और क्षेत्रवार संतुलन को पूरी तरह नज़र अंदाज किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। कांग्रेस को मुसलमानों की पार्टी कहा गया है, जो मुसलमानों के हितों और कल्याण पर फोकस करती है।

कांग्रेस ने दिल्ली कांग्रेस में की गई नियुक्तियों से इस बात को सही साबित कर दिया है।

काज़ी निज़ामुद्दीन को सचिव पद से पदोन्नत करके दिल्ली का ए.आई.सी.सी. इन्चार्ज बनाया है। कहा जाता है कि उन्हें के.सी. वेणुगोपाल का आशीर्वाद प्राप्त है, इन नियुक्तियों के पीछे उन्हीं का हाथ है, जिनमें जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर संतुलन का ध्यान नहीं रखा गया है। वो "सोशल इंजिनियरिंग" जैसे शब्दों से अवगत नहीं हैं, और इस सिद्धांत पर काम करते हैं कि मेरा आदमी सर्वश्रेष्ट है।

इसके साथ ही दानिश अबरार को दिल्ली के लिए सचिव नियुक्त किया गया है। दिल्ली की स्क्रीनिंग कमेटी में, सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद को सदस्य बनाया गया है।

वरिष्ठ नेताओं से जब इस बारे में पूछा गया तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। दिल्ली और हरियाणा के प्रभारी, बीमार चल रहे बाबरिया को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त किया गया है।

- सूत्रों ने कहा कि वेणुगोपाल शायद नहीं जानते कि राजनीति में "सोशल इंजीनियरिंग" कितनी महत्वपूर्ण है, उन्हें तो लगता है कि जो उनका 'यस मैन" है, वही सही है।
- दिल्ली में चुनाव होने वाले हैं और वेणुगोपाल ने पार्टी संगठन व चुनाव प्रबंध से जुड़े कई महत्वपूर्ण पदों पर मुस्लिम समाज के नेताओं को नियुक्ति दे दी है, इससे पार्टी पर तुष्टिकरण के आरोप लगने शुरू हो गए हैं।
- लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस की यही कहानी है, राहुल ने पार्टी में अपनी पावर ऑफ अटॉर्नी वेणुगोपाल को दे रखी है।
- पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मजबूर हैं, इतने मजबूर कि वे वेणुगोपाल व जयराम रमेश को हटाना चाहते हैं पर हटा नहीं पा रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट यूजी : स्ट्रे वेकैन्सी में आवंटन निरस्त करने पर रोक

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी-2024 के स्ट्रे वैकेंसी राउंड में आवंटित सीट को निरस्त करने वाले एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने कहा है कि यदि एकलपीठ के याचिकाकर्ता इसमें शामिल होते हैं तो उन्हें मेरिट के अनुसार सीट आवंटित की जाए। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश जतिन और नीतू

- एकल पीठ ने 11वीं के प्रमाण पत्र में बायोलॉजी उल्लेख नहीं होने के मामले में सीट आवंटन को निरस्त कर दिया था, हाईकोर्ट की खंडपीठ ने उक्त आदेश पर रोक लगा दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आरोप अडानी पर है, और तकलीफ भाजपा को हो रही है'

विपक्षी दलों ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधा और यह भी कहा कि भाजपा सरकार इस मुद्दे पर चर्चा करने से डरती है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। कांग्रेस लोक सभा सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार अडानी के मुद्दे पर चर्चा करने से "बहुत ज्यादा भयभीत" है।

वेणुगोपाल ने कहा, "वे (सरकार) इस मुद्दे पर विपक्ष का एक शब्द भी सुनने के लिये तैयार नहीं हैं। एक सैकंड के अन्दर ही उन्होंने सदन स्थगित कर दिया। वे इस मुद्दे को उठाये जाने से डरे हुये हैं।"

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि दोनों पक्षों को परस्पर सहयोग करने की जरूरत है ताकि सदन का चलना सुनिश्चित हो सके।

तिरूवन्तपुरम के लोक सभा सांसद शशि थरूर ने कहा, "सभी विपक्षी दल इस मुद्दे पर बहस करना चाहते थे किन्तु सरकार तैयार नहीं थी। इस मुद्दे पर बिजनेस एडवाइज़री कमेटी में चर्चा होनी चाहिये। मुख्य बात यह है कि हर सदस्य को सदन चलने देना चाहिए, सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिये।"

उन्होंने आगे कहा, "एक सांसद होने के नाते, मैं यहाँ आना और बहस करना चाहता हूँ, लेकिन इसके लिये दोनों पक्षों की ओर से सहयोग की जरूरत है।"

राज्य सभा के आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अडानी के खिलाफ गम्भीर आरोप हैं, जिन पर चर्चा होना जरूरी है।

उन्होंने कहा, "मोदी सरकार संसद को नहीं चलने दे रही। हम चाहते हैं कि अडानी के भ्रष्टाचार पर चर्चा हो। इसके कारण, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सारी दुनिया में भारत की बदनामी हो रही है।"

- कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि सभी विपक्षी दल इस मसले पर चर्चा करना चाहते हैं, पर सरकार नहीं चाहती।
- आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अडानी ने मोदी सरकार के अफसरों को रिश्वत दी और देश की जनता को महंगी बिजली बेची।
- तृणमूल पार्टी की एक सांसद डोला सेन ने आरोप लगाया कि किसी ने भी धरना नहीं दिया फिर भी दो बार संसद स्थगित हुई और दूसरी बार तो पूरे दिन के लिए, और वो विपक्ष पर आरोप लगा रही है।
- विपक्ष का विरोध संसद तक ही सीमित नहीं है। इंडियन यूथ कांग्रेस ने जंतर मंतर पर भी धरना प्रदर्शन दिया।
- चर्चा है कि अडानी पर विदेश में मामला दर्ज हुआ है। अब अगला कदम क्या होगा, फिलहाल अडानी कहां हैं, यह पता नहीं है, समझा जाता है कि वे भारत में ही कहीं हैं।

सिंह ने आरोप लगाया, "अडानी ने मोदी सरकार के अधिकारियों को रिश्वत दी तथा भारत की जनता को महँगी बिजली बेची, हम इस पर चर्चा करना चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि प्रतिस्पर्धी बिल्डिंग होनी चाहिये। सरकार चर्चा से भाग रही हैं।"

तृणमूल कांग्रेस सांसद डोला सेन ने कहा कि ऐसा लगता है कि सत्ता पक्ष चाहता ही नहीं कि सदन चले, क्योंकि कोई भी हंगामा या शोरगुल न होने के बावजूद, सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

उन्होंने जोर देते हुये कहा, "..किसी ने कोई विरोध प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन दो बार स्थगन हुआ। यह सत्ता पक्ष की नीति है, वे हर पल अनावश्यक रूप से दोषारोपण कर रहे हैं।

अमेरिकन प्रॉसिक्यूटर्स ने अडानी पर आरोप लगाया है कि वे, कथत रूप से सौर ऊर्जा अनुबन्धों के लिये उनके अनुकूल शर्तें रखने के बदले में, भारतीय अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर (करीब 22,000 करोड़ रु.) से अधिक रिश्वत देने की योजना के हिस हैं।

अडानी ग्रुप ने इस आरोपों को निराधार बताते हुये खारिज कर दिया है।

इस मुद्दे को लेकर सरकार पर विपक्ष का हमला संसद तक ही सीमित नहीं था।

इंडियन यूथ कांग्रेस ने सोमवार को दिल्ली में जन्तर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन किया तथा गौतम अडानी की गिरफ्तारी की माँग की।

प्रदर्शन का नेतृत्व इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विश्व इतिहास में प्रत्येक महान और महत्त्वपूर्ण आन्दोलन उत्साह द्वारा ही सफल हो पाया है। –एमर्सन

मात्र चुनावी जीत के आधार पर गलत, सही नहीं हो जाता

गौतम अडानी और अडानी समूह का मामला एक बार पुनः समाचार पत्रों की सुर्खियों में है। कुछ समय पूर्व यह मामला तब उठा था, जब हिडेनबर्ग रिपोर्ट में अडानी समूह द्वारा विदेश स्थित शैल कंपनियों के माध्यम से अपने शेयरों की कीमत बहुत बढ़ाने की रिपोर्ट सामने आई थी। इसमें अडानी समूह पर कई आरोप लगे थे। यह प्रकरण उच्चतम न्यायालय तक भी गया था। उच्चतम न्यायालय ने सेबी को इस बारे में जांच करने के लिए कहा। सेबी ने अदानी समूह को क्लीन क्लीन चिट दे दी थी, जबकि कई प्रकार के आरोप प्रमुख दृष्टिया सही प्रतीत होते थे । उच्चतम न्यायालय ने इस रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए प्रकरण को बंद कर दिया।

अब अडानी से ही सम्बंधित एक गंभीर प्रकरण फिर सामने आया है। गौतम अडानी एवं उनके भतीजे समीर अडानी के विरुद्ध अमेरिका के न्याय विभाग और सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन ने, विस्तृत जांच के पश्चात, फॉरेन करप्शन प्रिवेंशन एक्ट के अंतर्गत, उन्हें दोषी माना है। उन्होंने इस जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया है । यह रिपोर्ट कुल 54 पेज की है।

अडानी ने भारत में कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त करने के लिए कई सरकारों के अधिकारियों को कुल लगभग 2000 करोड़ रुपए से अधिक की रिश्वत दी। अमेरिकी कानून के अनुसार यदि कोई उद्योग समूह अमेरिका के नागरिकों से निवेश हेतु धन एकत्रित करना चाहता है तो उसे यह स्पष्ट करना होता है कि उसके द्वारा विदेशों में किसी प्रकार की रिश्वत नहीं दी है। यदि कोई व्यक्ति या उद्योगपति अमेरिका के अलावा अन्य किसी देश में अपने उद्योग के व्यावसायिक हितों को बढ़ाने के लिए रिश्वत देता है तो वह अमेरिका के उक्त कानून के अंतर्गत अपराध है। न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर, इसके लिए, उसे सजा दी जा सकती है ।

इसी जांच के दौरान मार्च 2023 में अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा गौतम अडानी एवं उनके भतीजे सागर अडानी को सम्मन जारी किया गया था । सागर अडानी के परिसर पर तलाशी की गई और कई लैपटॉप आदि उपकरण जब्त किए गए। उनके विरुद्ध जांच में यह निष्कर्ष निकला कि अडानी द्वारा भारतीय अधिकारियों को रिश्वत के रूप में 2000 करोड़ से अधिक की राशि दी गई। यह राशि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और जम्मू कश्मीर के साथ पावर सप्लाई एग्रीमेंट करने के लिए दी गई थी। अब यह प्रकरण अमेरिकी न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है और वहां के कानून के अनुसार जैसे ही अपराधिक प्रकृति का कोई प्रकरण वहां के न्यायालय में जाता है तो, अभियुक्त के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी हो जाते हैं। इसी क्रम में गौतम अडानी, समीर अदानी एवं विनीत जैन के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट अमेरिका के न्यायालय से जारी कर दिए हैं । इनके चलते, अब इनमें से कोई भी अमेरिका जाएगा तो उसे वहां गिरफ्तार किया जा सकता है।

भारत सरकार ने आदेश जारी किया हुआ है कि राज्य के विद्युत निगमों को एक निश्चित दर पर भारत सरकार के उपक्रम से बिजली क्रय करनी होगी। अडानी ने आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, ओडिशा और जम्मू कश्मीर की सरकारों के साथ पावर सप्लाई एग्रीमेंट किया। क्योंकि विद्युत खरीदने की तरह बहुत अधिक थी, इस एग्रीमेंट को करने के लिए अडानी ग्रुप द्वारा संबंधित राज्य सरकारों के अधिकारियों को कुल मिलाकर लगभग 2000 करोड रुपए से अधिक की राशि रिश्वत के रूप में दी गई । अधिकतम रिश्वत 1750 करोड़ रुपए आंध्र सरकार के अधिकारियों को दी गई। इसके पूरे प्रमाण अमेरिका के न्याय विभाग ने जुटा लिए हैं । और अब न्यायालय में उनके विरुद्ध प्रकरण चलेगा। गौतम अडानी के प्रत्यर्पण की मांग भी वहां के न्यायालय द्वारा की जा सकती है।

भाजपा का यह कहना है कि रिश्वत की राशि, कॉन्ग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की सरकारों के शासन में दी गई।

यह उल्लेखनीय है कि इन राज्यों में से केवल जम्मू एंड कश्मीर, जहां कि राष्ट्रपति शासन था और इस कारण भाजपा द्वारा संचालित है, शेष प्रदेशों में 2020 से 22 के बीच विपक्षी दलों की सरकारें थीं। उस समय आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस, तमिलनाडु में डीएमके, उड़ीसा में बीजू जनता दल और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी।

अडानी समूह ने सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन के नियमों से संचालित प्रक्रिया के अनुसार अमेरिकी निवेशको से धन एकत्रित किया । अब यदि यह न्यायालय में सिद्ध होता है कि उन्होंने भारत में रिश्वत देकर अपनी कंपनी का काम बढ़ाने का कार्य किया है, तो वे अपराधी घोषित हो जाएंगे और इन्हें सजा दी जाएगी।

प्रश्न यह नहीं है कि उन्होंने रिश्वत की राशि भाजपा शासित सरकार के समय दी या अन्य विपक्षी दलों की सरकारों के शासनकाल में दी । प्रश्न यह है कि क्या अडानी ने अधिकारियों को रिश्वत की राशि दी ?

आजकल यह प्रवृत्ति हो गई है कि चुनावी जीत के आधार पर हर अनियमित, अनुचित कार्य को सही ठहराया जाता है। किसी भी दल द्वारा चुनाव जीतने पर केवल एक ही जवाब मिलता है कि जनता ने उस पर लगे सभी आरोपों को नकार कर, उसे समर्थन दिया है। यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं है, अपितु केवल कुतर्क है।

भारत में जब पहले इसकी शिकायत हुई थी तब सेबी ने इस बारे में वह जांच नहीं की, जो अब अमेरिका की एजेंसीज ने की है । अमेरिका द्वारा हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट का कितना प्रभाव अडानी समूह के व्यवसाय पर पड़ रहा है, यह इसी से स्पष्ट है कि केन्या सरकार ने रिपोर्ट आते ही, लगभग 6000 करोड़ का जो कॉन्ट्रैक्ट अडानी समूह को दिया जाना था, वह निरस्त कर दिया । अडानी समूह के जो बॉन्ड यहां भारत में जारी होने वाले थे, उसे भी स्थगित कर दिया गया है।

यह उल्लेखनीय कि अडानी ने सेबी को सूचित नहीं किया कि उनके विरुद्ध अमेरिका में आपराधिक प्रकरण दर्ज है, जबकि इसकी पूरी जानकारी उन्हें थी। गौतम अडानी को मार्च 2023 में ही सम्मन जारी हो चुके थे। सेबी को इस मामले में जानकारी न देना, धोखाधड़ी ही कहा जाएगा। इसके लिए उनके विरुद्ध करवाई सेबी को करनी चाहिए थी। अब इसमें वह कुछ कार्रवाई करेगा या नहीं, यह तो भविष्य ही बताएगा। किसी भी प्रकार की राशि, निवेशकों से इकट्ठा करने के लिए संबंधित कंपनी को यह घोषणा करनी होती है कि उसके विरुद्ध कोई अपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं है । ऐसा लगता है कि सेबी को दी गई सूचना में अडानी समूह ने, अमेरिका में उनके विरुद्ध चल रही जांच का कोई उल्लेख नहीं किया । जब सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को हिंडेनबर्ग रिपोर्ट के आधार पर जांच करने के लिए कहा था तो उसका यह दायित्व बनता था कि वह अडानी से इस बारे में स्पष्टीकरण प्राप्त करे। उसे, अमेरिका की एफ बीआई और, सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन से भी इस संबंध में जानकारी प्राप्त करनी चाहिए थी। ऐसा न करके, सेबी और अडानी, दोनों ने निवेशकों को गुमराह करने का कार्य ही किया है। जिस संस्था की जिम्मेदारी, निवेशकों के हितों की रक्षा करना हो, वही ऐसा न करे, तो फिर यह सवाल तो किया ही जाएगा कि ऐसा किसके इशारे पर किया जा रहा था?

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस बारे में गहराई से जांच करने की आवश्यकता महसूस नहीं की, यह आश्चर्य की बात है। मार्च 23 में मीडिया में यह समाचार आ चुके थे कि अमेरिका में सागर अडानी के परिसर की तलाशी ली गई थी एवं उनके कई इलेक्ट्रानिक उपकरणों को जप्त किया गया था । उस समय इस तथ्य को अडानी ने सेबी एवं अन्य संस्थाओं से छुपाया एवं केवल यह बयान देते रहे कि उनके विरुद्ध कोई केस नहीं है, एवं उनके विरुद्ध हिंडेनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोप आधारहीन हैं। सत्ताधारी दल के प्रवक्ताओं ने भी इसे देश की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने की साजिश तक बताया। अब, जबकि यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि अमेरिका की सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन और फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने अपने स्तर पर जांच के बाद यह सही पाया है कि अडानी समूह द्वारा भारत में अधिकारियों को ऊर्जा आपूर्ति के समझौते करने हेतु रिश्वत की राशि दी गई, सबका झूठ सामने आ चुका है। इस बारे में, अब भी विस्तृत जांच सीबीआई और सेबी द्वारा की जानी चाहिए ताकि देश की जनता, विशेषकर निवेशकों के समक्ष स्थिति स्पष्ट हो सके। फिलहाल, अडानी समूह के लिए, इस रिपोर्ट के बाद, अब विदेशों से कहीं भी अपनी परियोजनाओं के लिए धन की व्यवस्था करना संभव नहीं होगा ।

सत्ताधारी दल द्वारा यह कहा जा सकता है कि जनता इन आरोपों पर विश्वास नहीं करती है, क्योंकि यदि ऐसा होता तो, महाराष्ट्र में उसे इतना प्रचंड बहुमत नहीं मिलता। सबको यह समझने की आवश्यकता है कि चुनाव में जीत से, कोई भी गलत बात, सही नहीं हो जाती । आजकल यह प्रवृत्ति हो गई है कि चुनावी जीत के आधार पर हर अनियमित, अनुचित कार्य को सही ठहराया जाता है। किसी भी दल द्वारा चुनाव जीतने पर केवल एक ही जवाब मिलता है कि जनता ने उस पर लगे सभी आरोपों को नकार कर, उसे समर्थन दिया है। यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं है, अपितु केवल कुतर्क है। जो बात गलत, अनुचित या अनियमित है वह केवल चुनाव जीतने से न तो सही हो जाती है न उचित हो जाती है एवं ना ही नियमित।

आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बड़ी धनराशि खर्च करके महल नुमा आवास मुख्यमंत्री के लिए बनाया, वह गलत था और गलत ही रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने द्वारा घोषित नोटबंदी के बाद लोगों को अत्यधिक परेशानी होने के बावजूद भी जब उत्तर प्रदेश के चुनाव में भाजपा को भारी सफलता मिली, तो उससे नोटबंदी का निर्णय सही सिद्ध नहीं हो जाता। अडानी को संरक्षण देना गलत ही रहेगा चाहे कितना ही बहुमत, लोकसभा या विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्राप्त हो जाए।

यह सर्वविदित है कि चुनाव जीतने के कई कारण होते हैं, जिनमें जाति-धर्म आदि प्रमुख हैं। ईमानदार सुशासन प्रदान करना, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए अच्छा कार्य करना एवं नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सरकार की भूमिका अच्छी तरह निभाना, यदा कदा ही चुनाव जिताते हैं । चुनावी विजय और सही-गलत का निर्णय करने हेतु पैमाने, एक नहीं हो सकते। किसी राजनीतिक दल को बहुत सफलता मिल जाए, तब भी, उनके द्वारा किए गए गलत कार्य, गलत ही रहेंगे । प्रधानमंत्री द्वारा मणिपुर पर कोई व्यक्त वक्तव्य न देना, गलत था और वह गलत ही रहेगा।

भाजपा के प्रवक्ताओं द्वारा अडानी के प्रकरण में यह कहा जा रहा है कि जब तक कोई आरोप सिद्ध नहीं हो, उन्हें दोषी नहीं माना जा सकता। यही बात तो आम आदमी पार्टी के नेता कह रहे थे, जिस समय बिना आरोप सिद्ध हुए, केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह एवं कई अन्य विपक्षी दलों के नेताओं को लंबे समय तक जेल में रखा गया । दलों को को इस संबंध में दोहरे मापदंड अपनाने से बचना होगा।

संसद का सत्र 25 नवंबर से प्रारंभ हो रहा है और यह सत्र काफी तूफानी रहने की संभावना है। अमेरिकी जांच एजेंसी की रिपोर्ट को लेकर संसद में हंगामा होना तय है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

सादा जीवन-उच्च विचारों के धनी "बापू" के शिष्य "बाबू"

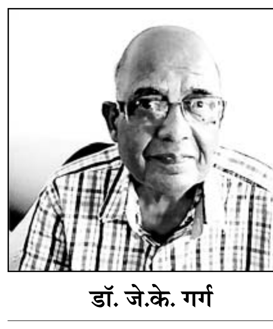

डॉ. जे.के. गर्ग

जब गांधी जी बिहार के चंपारण आये, तब उन्होंने राजेंद्र प्रसाद को स्वयंसेवकों के साथ चंपारण आने के लिए कहा। तब राजेन्द्र बाबू अनेक कार्यकर्ताओं के साथ वहां पहुंच गये। वो गांधी जी की देश भक्ति की अटूट भावना से बहुत प्रभावित हो गये हुए। बापू से मिलने के बाद राजेंद्र बाबू का नजरिया पूरी तरह से बदल गया और उन्होंने खुद को देश को अंग्रेजो की गुलामी से आजाद करने का संकल्प ले लिया, उनका दृष्टिकोण पूरी तरह बदल गया और वो आजादी की लड़ाई में पूरी तरह से जुट गये। डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेताओं में शामिल हो गये। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और देश के पहले मंत्रिमंडल में 1946 से 1947 तक कृषि और खाद्य मंत्री का दायित्व भी निभाया। उनका जन्म 3 दिसंबर, 1884 को बिहार के तत्कालीन सारण जिले (अब सीवान) के जीरादेई गांव में हुआ था। उनके पिता महादेव सहाय संस्कृत एवं फारसी के विद्वान थे। माता कमलेश्वरी देवी एक धर्मपरायण महिला थीं। मात्र 12 वर्ष की उम्र में उनका विवाह राजवंशी देवी से हुआ।

कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया और 30 रुपये मासिक छात्रवृत्ति प्राप्त की। वर्ष 1902 में प्रसिद्ध कलकत्ता प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लिया। बाद में वह विज्ञान छोड़ कला संकाय में आ गये और अर्थशास्त्र में एमए और कानून में मास्टर की शिक्षा पूरी की। वर्ष 1930 में नमक सत्याग्रह में भाग लिया। वर्ष 1914 में बंगाल और बिहार में आयी भयानक बाढ़ के दौरान उन्होंने पीड़ितों की खूब सेवा की। 15 जनवरी, 1934 को जब बिहार में विनाशकारी भूकंप आया, तब वे धन जुटाने और राहत कार्यो में लग गये राहत का कार्य जिस तरह से व्यवस्थित किया गया था, उसने डॉ राजेंद्र प्रसाद के कौशल को साबित किया। इसके तुरंत बाद उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बम्बई अधिवेशन का अध्यक्ष चुना गया। वे वर्ष 1934 से 1935 तक भारतीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। उन्हें 1939 में सुभाष चंद्र बोस के बाद जबलपुर सेशन का भी अध्यक्ष बना दिया गया। 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में संविधान को पारित करते समय डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा कहे गये शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं। जिन्दगी के अंतिम पडाव में उन्होंने अपना जीवन एक आम नागरिक का भाति सदाकत आश्रम में बिताया उनके लिए राष्ट्रपति भवन और सदाकत आश्रम एकसा था। 28 फरवरी, 1963 को वों पंच महाभूतों में विलीन हो गये। राजेन्द्र बाबू ने अनेको किताब लिखी अपनी आत्मकथा (1946 बापू के कदमों में बाबू (1954, इण्डिया डिवाइडेड (1946), सत्याग्रह ऐट चम्पारण (1922), गांधीजी की देन, भारतीय संस्कृति व खादी का अर्थशास्त्र इत्यादि उल्लेखनीय हैं।

प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र बाबू और बापूजी के शिष्य के जीवन के प्रेरणादायक संस्मरण

जब परीक्षा में प्रथम आने वाले का नाम उत्तीर्ण छात्रों सूची में नहीं था :- प्रिंसिपल ने एफ.ए. में उत्तीर्ण छात्रों के नाम लिए तो राजेन्द्र प्रसाद का नाम उस सूची में नहीं था। राजेन्द्र प्रसाद एक मेधावी छात्र थे उन्हें अपने आपको फेल होने पर रत्तीभर भी विश्वास नहीं हुआ क्योंकि उन्हें अपनी एफ.ए. की परीक्षा में सर्वोच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण होने का पूरा भरोसा था, इसलिए उन्होंने खड़े होकर प्राचार्य से कहा कि वे फेल नहीं हो सकते हैं इसलिए उन्होंने प्रिंसिपल से परीक्षा में हुए उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची को एक बार पुनः देख लेंने का अनुरोध किया, जिससे प्रिंसिपल ने क्रोधित होकर राजेन्द्र प्रसाद से कहा कि वह फेल हो गए होंगे अतः उन्हें इस मामले में तर्क नहीं करना चाहिए। राजेंद्र घबराते हुए बोले 'लेकिन, लेकिन सर' क्रोधित प्रिंसिपल ने कहा, 'पाँच रुपये ज़ुर्माना' राजेन्द्र प्रसाद साहस कर दोबारा बोले तो प्रिंसिपल चिल्लाये और बोले 'दस रुपया ज़ुर्माना'। राजेन्द्र प्रसाद बहुत घबरा गए। अगले कुछ क्षणों में ज़ुर्माना बढ़कर 25 रुपये तक पहुँच गया। एकाएक हैड क्लर्क ने राजेन्द्र को पीछे से बैठ जाने का इशारा किया और वे प्रिंसिपल से बोले कि सर एक गलती हो गई है, वास्तव में राजेन्द्र प्रसाद परीक्षा में प्रथम आए हैं। राजेन्द्र प्रसाद की छात्रवृत्ति दो वर्ष के लिए बढ़ाकर 50 रुपया प्रति मास कर दी गई। उसके बाद स्नातक की परीक्षा में भी उन्हें सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ। इस घटना के बाद राजेन्द्र प्रसाद ने यह जान लिया था कि आदमी को अपना संकोच को दूर कर आत्मविश्वासी बनना चाहिए।

कॉलेज में भोले भाले देहाती राजेन्द्र बाबू का पहला दिन सरल एवं निष्कपट स्वभाव वाला सीधा-साधा ग्रामीण युवक राजेन्द्र प्रसाद बिहार पहली बार 1902 में कलकत्ता में प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश हेतु आया था। अपनी कक्षा में जाने पर वह छात्रों को ताकते रह गये क्योंकि वहां सभी छात्र नगें सिर एवं सभी पश्चिमी वेशभूषा की पतलून और कमीज पहने थे इसलिये उन्होंने सोचा ये सब एंग्लो-इंडियन हैं किन्तु जब हाजिरी बोली गई तो राजेन्द्र को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वे सभी हिन्दुस्तानी थे। जब राजेन्द्र प्रसाद का नाम हाजिरी के समय नहीं पुकारा गया तो उन्होंने हिम्मत जुटा कर अपने प्रोफेसर को पूछा कि उनका नाम क्यों नहीं लिया गया। प्रोफेसर उनके देहाती कपड़ों को घूरता ही रहा एवं चिल्ला कर बोला– ठहरो, मैंने अभी स्कूल के लड़कों की हाजिरी नहीं ली है। राजेन्द्र प्रसाद ने हठ किया कि वह प्रेसीडेंसी कॉलेज के छात्र हैं और उन्होंने प्रोफेसर को अपना नाम भी बताया। अब कक्षा के सभी छात्र उन्हें उत्सुकतावश देखने लगे क्योंकि उस वर्ष राजेन्द्र प्रसाद विश्वविद्यालय में प्रथम आये थे, प्रोफेसर ने तुरंत अपनी गलती को सुधार कर ससम्मान उनका नाम पुकारा और इस तरह राजेन्द्र प्रसाद के कॉलेज जीवन की शुरुआत हुई।

एक बार राजेंद्र बाबू नाव से अपने गांव जा रहे थे। नाव में कई लोग सवार थे। राजेंद्र बाबू के नजदीक ही एक अंग्रेज बैठा हुआ था। वह बार-बार राजेंद्र बाबू की तरफ व्यंग्य से देखता और मुस्कराने लगता। कुछ देर बाद अंग्रेज ने उन्हें तंग करने के लिए एक सिगरेट सुलगा ली और उसका धुआं जान बूझकर राजेंद्र बाबू की ओर फेंकता रहा। कुछ देर तक राजेंद्र बाबू चुप रहे। लेकिन वह काफ़ी देर से उस अंग्रेज की इस हरकत को सहन नहीं पाये। उन्हें लगा कि अब उसे सबक सिखाना जरूरी है। कुछ सोचकर वह अंग्रेज से बोले, 'महोदय, यह जो सिगरेट आप पी रहे हैं क्या आपकी ही है?' यह प्रश्न सुनकर अंग्रेज व्यंग्य से मुस्कराता हुआ बोला, 'अरे, मेरी नहीं तो क्या तुम्हारी है? महंगी और विदेशी सिगरेट है।' अंग्रेज के इस वाक्य पर राजेंद्र बाबू बोले, 'बड़े गर्व से कह रहे हो कि विदेशी और महंगी सिगरेट तुम्हारी है। तो फिर इसका धुआं भी तुम्हारा ही हुआ न। उस धुएं को हम पर क्यों फेंक रहे हो? तुम्हारी सिगरेट तुम्हारी चीज है। इसलिए अपनी हर चीज संभाल कर रखो। इसका धुआं हमारी ओर नहीं आना चाहिए। अगर इस बार धुआं हमारी और आया तो सोच लेना कि तुम अपनी जुबान से ही मुकर रहे हो। तुम्हारी चीज तुम्हारे पास ही रहनी चाहिए, चाहे वह सिगरेट हो या इसका धुआं, राजेन्द्र बाबू की बात को सुनकर बेचारा अंग्रेज सकपकाया और उसने अपनी जलती हुई सिगरेट को बुझा दिया।

भारतीय संविधान के लागू होने से एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को उनकी सगी बहन भगवती देवी का निधन हो गया, लेकिन वे भारतीय गणराज्य के स्थापना की रस्म के बाद ही दाह संस्कार में भाग लेने गये। राष्ट्रपति बनने पर भी उनका जनसाधारण एवं गरीब ग्रामीणों से निरंतर संमर्र्क बना रहा। वृद्ध और नाज़ुक स्वास्थ्य के बावजूद उन्होंने भारत की जनता के साथ अपना निजी सम्पर्क कायम रखा। वह वर्ष में से 150 दिन रेलगाड़ी द्वारा यात्रा करते और आमतौर पर छोटे-छोटे स्टेशनों पर रूककर सामान्य लोगों से मिलते और उनके दुख दर्द दूर करने का प्रयास करते।

उन दिनों डॉ. राजेन्द्र प्रसाद देश के गिने-चुने नामी वकीलों में गिने जाते थे। उनके पास मान-सम्मान और पैसे की कोई कमी नहीं थी। लेकिन जब गांधी जी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया तो राजेन्द्र बाबू ने वकालत छोड़ दी और अपना पूरा समय मातृभूमि की सेवा में लगाने लगे। अपने मित्र रायबहादुर हरिहर प्रसाद सिंह के मुकदमों की पैरवी के लिए उन्हें इंग्लैण्ड जाना पड़ा। वरिष्ट बैरिस्टर अपजौन इंग्लैंड में हरिहर प्रसाद सिंह का मुकदमा लड़ रहे थे उन्हीं के साथ राजेन्द्र बाबू को काम करना था। अपजौन राजेन्द्र बाबू की सादगी और पारिवारिकता से बहुत प्रभावित हुए। एक दिन किसी ने अपजौन को कहा कि राजेंद्र बाबू भारत के सफलतम वकीलों में से हैं किन्तु उन्होंने भारत को स्वतंत्र कराने हेतु अपनी वकालत त्याग दी है और वे असहयोग आन्दोलन में गांधीजी के निकटतम सहयोगी बन गये हैं। बैरिस्टर अपजौन को आश्चर्य हुआ

-डॉ. जे. के. गर्ग,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

चंबल नदी की दाईं मुख्य नहर में रिसाव के कारण खेत जलमग्न

कोटा, (निसं)। चंबल नदी की दाईं मुख्य नहर में रिसाव के कारण भारी मात्रा में पानी खेतों में पहुंच गया है। बड़ी मात्रा में खेत भी जलमग्न हो गए हैं और नहर को बंद करने तक की नौबत आ गई। बाद में नहर में पानी का डिस्चार्ज कम करते हुए रिसाव को रोकने के लिए प्रयास शुरू किए गए। मामला कोटा जिले के दीगोद के नजदीक देवपुरा का है। ग्रामीणों ने इस संबंध में प्रशासन और चंबल कमांड एरिया (सीएडी) के अधिकारियों को सूचना दी।

■ किसानों का आरोप है कि नहरों की समय पर गुणवत्तापूर्वक मरम्मत नहीं होने के चलते समस्या आती है

दीगोद एसडीएम दीपक महावर का कहना है कि सूचना मिलते ही सीएडी के अधिकारियों को मौके पर तुरंत जाने के लिए कहा और उचित दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर पहुंचे सीएडी के इंजीनियर ने बताया है कि रिसाव के चलते पानी का डिस्चार्ज आधा कर दिया है। खेतों में पानी नहीं जाए, इसके पूरे जतन किए जा रहे हैं। यह रिसाव रात से थोड़ा-थोड़ा शुरू हुआ था जो कि सुबह बढ़ गया। सुबह ही प्रशासन को इसकी जानकारी मिली थी।

किसान विनोद मेहरा का कहना है कि सुबह छह बजे लोगों ने देखा कि पानी खेतों में जा रहा है। नहर टूटी नहीं है लेकिन नहर की पाल के नीचे से रिसाव हुआ है। यह पानी आसपास के खेतों में भर गया है जिसकी चपेट में लगातार खेत आते जा रहे हैं। इनमें से कई खेत ऐसे हैं जिनमें फसल की बुवाई कर दी गई थी जबकि कुछ में बुवाई की तैयारी चल रही थी। अधिकांश किसानों ने लहसुन व गेहूं की बुवाई की है। किसान तत्काल रिसाव को बंद करने की मांग कर रहे थे।

दीगोद के नजदीक देवपुरा में चंबल नदी की दाईं मुख्य नहर में रिसाव के कारण खेतों में पानी भर गया।

चंबल नदी में दाईं मुख्य नहर में अनुबंध के तहत मध्यप्रदेश को वर्तमान में पानी भेजा जा रहा है। ऐसे में मध्यप्रदेश और राजस्थान के टेल एरिया के किसानों को भी भरे सीजन में पानी नहीं पहुंचने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। किसानों का आरोप है कि नहरों के समय पर गुणवत्तापूर्वक मरम्मत नहीं होने के चलते ही यह समस्या आती है।

सेमेस्टर में आधे छात्रों को फेल करने पर विरोध

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के आरआर कॉलेज में बीएससी सैकंड ईयर के सैकंड सेमेस्टर के रिवाइज घोषित रिजल्ट में आधे छात्रों को फेल करने के विरोध में छात्रों ने कॉलेज गेट बंद कर विरोध किया। इसके अलावा चेतावनी दी है कि अभी विरोध सांकेतिक है उनका दुबारा एग्जाम नहीं हुआ तो आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा।

छात्रनेता अंकित गुर्जर ने बताया कि करीब डेढ़ माह पहले बीएससी फर्स्ट ईयर के सेकंड सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित कर स्टूडेंट्स को प्रमोट किया था, ताकि यह सेकंड ईयर में बैठ सके, लेकिन अब डेढ़ महीने बाद दोबारा से रिजल्ट घोषित किया। नई शिक्षा नीति का हवाला देकर आधे से ज्यादा करीब 400 स्टूडेंट्स को फेल कर दिया। इस विषय पर कॉलेज प्रशासन से बातचीत करना चाहा तो उन्होंने नई शिक्षा नीति का हवाला देकर ऐसा करना बताया। अभिषेक जायसवाल ने बताया कि जब शुरुआती तौर पर फॉर्म भरे गए थे तब नई शिक्षा नीति की कोई जानकारी नहीं दी गई। करीब डेढ़ महीने पहले जिनको प्रमोट कर दिया। अब वापस उनका रिजल्ट देकर फेल दिखा दिया। हमारी मांग है कि जिनको फेल किया है उनका दुबारा एग्जाम हो, ताकि स्टूडेंट्स को नुकसान नहीं हो। ऐसा नहीं हुआ तो स्टूडेंट्स उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। जिसका जिम्मेदार यह कॉलेज प्रशासन रहेगा।

- **छात्रों ने दुबारा एग्जाम नहीं होने पर उग्र आंदोलन की बात कही**
- **नई शिक्षा नीति का हवाला देकर छात्रों को फेल किया**

राशिफल मंगलवार 26 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, हस्त नक्षत्र रात्रि 4:35 तक, प्रीति योग दिन 2:13 तक, बव करण दिन 2:25 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 3:48 तक है। द्विपुष्कर योग रात्रि 4:35 से सूर्योदय तक है। राजयोग रात्रि 4:35 से आरम्भ होगा। आज बुध वक्री प्रातः 8:13 से होगा। आज उत्पन्न (वेतरणी) एकादशी, पदम प्रभु मोक्ष दिन है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:36 से 10:55 तक, लाभ-अमृत 10:55 से 1:33 तक, शुभ 2:52 से 4:10 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:59, सूर्यास्त 5:29

मेष
स्वास्थ्य से संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

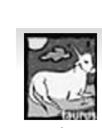

वृष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

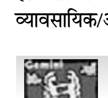

मिथुन
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

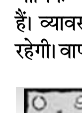

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

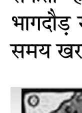

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं।

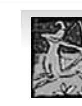

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

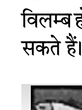

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव से वैश्विक टूरिज्म में बीकानेर को नई पहचान मिली : एडीएम

बीकानेर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव की तैयारी बैठक को एडीएम (प्रशासन) डॉ. दुलीचंद मीणा ने संबोधित किया।

- अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव 9 से 12 जनवरी तक आयोजित होगा
- तैयारी को लेकर प्रशासन ने विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ की चर्चा

बीकानेर, (कासं)। आगामी अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव 9 से 11 जनवरी तक आयोजित करना प्रस्तावित किया गया। ऊंट उत्सव की तैयारी के संबंध में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में यह जानकारी दी गई।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ दुलीचंद मीना, अतिरिक्त कलेक्टर (शहर) रमेश देव, सीईओ जिला परिषद सोहनलाल सहित पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने आयोजन से जुड़े विभिन्न विभागों तथा अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ उत्सव की रूपरेखा के संबंध में विस्तार से चर्चा की। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ मीना ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव के माध्यम से वैश्विक टूरिज्म में बीकानेर को नई पहचान मिल रही है। इस आयोजन से स्थानीय कला और संस्कृति को जोड़ा जाए। यहां के पारंपरिक वेशभूषा और खान-पान से जुड़े पक्ष भी इसमें शामिल किए जाएं।

एडीएम सिटी रमेश देव ने कहा कि बीकानेर के विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों को इस उत्सव के आयोजन में भागीदार बनाएं। स्थानीय कलाकारों को भी यहां मंच उपलब्ध हो सके इसके लिए नई गतिविधियां शामिल करें। सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने कहा की रायसर में होने वाले आयोजन के लिए सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था, सड़क मरम्मत इत्यादि समय पर करवा दिए जायेंगे। उन्होंने पुलिस से समस्त आयोजन स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्थाएं माकूल रखने को कहा।

उपनिदेशक पर्यटन अनिल राठौड़ ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव का मुख्य आयोजन 11 और 12 फरवरी को होगा। मुख्य आयोजन के पहले दिन 11 जनवरी को एनआरसीसी में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेगी। इनमें ऊंट नृत्य, फर कटिंग, ऊंट सजावट, ऊंट व घुड दौड़ सहित विभिन्न आयोजन होंगे। इसी दिन जूनागढ़ से करणी सिंह स्टेडियम तक शोभा यात्रा का आयोजन किया जायेगा। जिसमें स्थानीय लोक कलाकार सजे धजे ऊंटों पर शोभायात्रा का हिस्सा बनेंगे। एनसीसी, एनएसएस के कैडेट्स सहित अन्य प्रतिभागी इसमें भागीदारी निभायेंगे। इसी दिन डॉ करणी सिंह स्टेडियम में पारंपरिक वेशभूषा आधारित शो मिस बीकानेर और ढोला मरवण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

डॉ करणी सिंह स्टेडियम में रात को सांस्कृतिक संध्या में लोक कलाकारों द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियां दी जायेगी। 12 जनवरी को मुख्य आयोजन रायसर में होगा जहां ग्रामीण खेलों और विभिन्न प्रतियोगिताएं आकर्षण का केन्द्र होंगे। इसके तहत पगड़ी बांधना, कुश्ती, कबड्डी, खो-खो, देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए साफा बांधना, मटका दौड़ सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेगी। इन धोरों में ही सैंड आर्ट एग्जीबिशन, हैंडीक्राफ्ट, मेहंदी रंगोली प्रतियोगिता जैसे आयोजन होंगे। साथ ही यहां कैमल सफारी का आयोजन भी किया जायेगा। रायसर के धोरों में रात को फोक नाइट का आयोजन किया जायेगा जिसमें विभिन्न कलाकारों द्वारा आकर्षित प्रस्तुतियां दी जायेगी। साथ ही जसनाथ सम्प्रदाय के प्रसिद्ध अग्नि नृत्य की प्रस्तुति दी जायेगी। बैठक में होटल फैडरेशन ऑफ राजस्थान के प्रतिनिधियों द्वारा जूनागढ़ परिसर में कल्चरल नाइट का आयोजन का प्रस्ताव दिया गया। यह आयोजन 9 तथा 10 जनवरी को कल्चरल नाइट के रूप में होगा। जिसमें स्थानीय पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण आधारित फैशन शो और स्थानीय व्यंजनों आधारित स्टॉल्स आदि का प्रदर्शन होगा। बैठक में जिला पर्यटन अधिकारी पवन कुमार शर्मा सहित पर्यटन व्यवसाय से जुड़े विनोद भोजक, लोकायन संस्था के गोपाल चौहान, गाइड एसोसिएशन के आनंद व्यास, सहायक पर्यटन अधिकारी योगेश राय, ट्रैवल ट्रेड के प्रतिनिधि तथा रायसर में स्थित कैम्प संचालक उपस्थित थे।

35 केन्द्रों पर होगी पशु परिचर परीक्षा

हनुमानगढ़, (कासं)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से पशु परिचर सीधी भर्ती 2023 के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन एक से 3 दिसम्बर तक 6 पारियों में किया जायेगा। प्रत्येक दिन दो शिफ्ट में सुबह और शाम के लिए पेपर आयोजित होगा।

परीक्षा के सफल आयोजन के लिए एडीएम उम्मेदीलाल मीना ने अधिकारियों की बैठक ली। एडीएम ने ट्रैफिक, सुरक्षा, बसों की व्यवस्था, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, मुख्य स्थलों पर मोबाइल टॉयलेट की स्थापना को लेकर निर्देश दिए। उन्होंने एम्बुलेंस, फ्लाइंग दस्ता सहित कंट्रोल रूम 01552-260299 को लेकर निर्देश दिए। एडीएम मीना ने बताया कि जिले में 10,776 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसके लिए जिले में 35 परीक्षा केन्द्र बनाये गए हैं। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जिले में दोनों पारियों के लिए 35 उप समन्वयक और पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए 125 से अधिक पुलिस कर्मियों का जाब्ता लगाया गया है।

परीक्षा केन्द्रों पर नकल की रोकथाम के लिए बहुत ही प्रभावी उपाय किए गए हैं। परीक्षा में नकल कराने के नाम पर ठगी कराने वाले गिरोह के झांसे या बहकावे में नहीं आएं। परीक्षा के संबंध में विभिन्न सोशल मीडिया पर किए जा रहे भ्रामक प्रचार पर विचार न करें। परीक्षा में किसी प्रकार से अनुचित साधनों का उपयोग करते पाये जाने पर कार्रवाई होगी।

सार-समाचार

शिक्षक नेता पुरोहित को श्रद्धांजलि

शिक्षक नेता श्रवण पुरोहित को शिक्षक, कर्मचारी एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि दी।

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) द्वारा संगठन के प्रदेश मंत्री श्रवण पुरोहित के असामयिक निधन पर राजकीय महारानी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में जिले भर से सैकड़ों शिक्षक, कर्मचारी एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित वक्ताओं ने श्रवण पुरोहित को सच्चा, जागरूक, ईमानदार, संघर्षशील शिक्षक नेता बताया। उन्होंने कहा कि श्रवण पुरोहित सदैव सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने एवं शिक्षकों व शिक्षार्थियों के हितों के लिए सदैव तत्पर रहते थे। उनके निधन से शिक्षा जगत में भारी क्षति हुई है। पुरोहित राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) के प्रदेश मंत्री के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर स्कूल टीचर्स फैडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य भी थे। श्रद्धांजलि सभा में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के पूर्व जिला अध्यक्ष सत्यनारायण पवार, जय किशन पारीक व वर्तमान जिला अध्यक्ष पृथ्वीराज लेघा, देहात कांग्रेस के कॉ. हनुमान चौधरी, जनवादी महिला समिति की प्रदेश सचिव कॉ. सीमा जैन, रेसला के गिरधारी गोदारा, सीताराम गोदारा, शिक्षक संघ (शेखावत) के प्रदेश प्रतिनिधि रेवंत राम गोदारा व संजय पुरोहित, शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के आनंद पारीक, यतीश वर्मा, सुभाष आचार्य, फिजिकल टीचर्स स्टेट आर्गेनाइजेशन के प्रदेश अध्यक्ष धूमल भाटी, जनवादी संगठन के अविनाश व्यास, राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) के मोडाराम कड़ेला व सोहनलाल गोयल, दीनदयाल, शिक्षक संघ अम्बेडकर के प्रदेश अध्यक्ष लालचंद हटीला, एडीईओ सुनील बोड़ा, कर्मचारी महासंघ एकीकृत के जिला अध्यक्ष रामकुमार पुरोहित, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री महेन्द्र पांडे, सेवानिवृत पूर्व संयुक्त निदेशक ओमप्रकाश सारस्वत, सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र सिंह भाटी आदि ने श्रद्धांजलि दी।

महिला आयोग अध्यक्ष आज आयेंगी

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर, आयोग सदस्य ममता कुमारी, डॉ. अर्चना मजूमदार तथा सदस्य सचिव मीनाक्षी नेगी मंगलवार को बीकानेर में रहेंगी। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर सहित सदस्य मंगलवार को 75 वें संविधान दिवस के अवसर पर रविन्द्र रंगमंच पर राष्ट्रीय महिला आयोग और नगर निगम द्वारा सांय 5 बजे आयोजित 'हम भारत की महिलाएं' विषयक कार्यक्रम में मौजूद रहेंगी। अध्यक्ष राहटकर दोपहर 12 बजे सर्किट हाउस में 'राष्ट्रीय महिला आयोग- आपके द्वार' के तहत जनसुनवाई करेंगी। इससे जुड़ी तैयारियों को सोमवार को अंतिम रूप दिया गया। राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष राहटकर प्रातः 7:20 बजे रेल मार्ग से बीकानेर पहुंचेंगी। राहटकर बुधवार प्रातः 5 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगी। वहीं ममता कुमारी मंगलवार प्रातः 7.20 बजे रेल मार्ग से बीकानेर आयेंगी तथा विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद बुधवार प्रातः 9:30 बजे रेल मार्ग से दिल्ली जायेंगी। डॉ. मजूमदार मंगलवार सायं 4:30 बजे वायु मार्ग से बीकानेर पहुंचेंगी और बुधवार सायं 4:45 बजे हवाई मार्ग से दिल्ली जायेंगे। सदस्य सचिव नेगी मंगलवार रात रेलमार्ग से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

पिता को बेटी से मिलाया

नोखा, (कासं)। बिछड़े हुए का अपनों से मिलन के क्रम में एक और प्रभुजी का मिलन अपना घर आश्रम नोखा द्वारा बेटी से कराया। किरण झंवर ने बताया कि अपना घर आश्रम नोखा द्वारा गोवर्धन प्रभुजी को नागौर से रेस्क्यू करके अपना घर आश्रम नोखा में भर्ती किया। भर्ती के समय प्रभुजी अपना नाम गोवर्धन नागौर बता रहे थे। आश्रम में काउंसलिंग के दौरान प्रभु जी ने अपने घर का नागौर पता किया तो बेटी का फोन नंबर मिला। बेटी से बात किया तो बेटी ने बताया मैं कल ही आश्रम आ रही हूं और मैं पिताजी को लेकर के साथ में जाऊंगी। आश्रम से जुड़े साथी कार्यालय प्रभारी अशोक बिश्नोई ने गोवर्धन प्रभुजी अपना घर आश्रम नोखा में सेवा ले रहे हैं। पिताजी के मिलने की जानकारी प्राप्त होते ही पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। रविवार को गोवर्धन प्रभुजी की बेटी, नाती मोहनराम गोवर्धन प्रभुजी को लेने के लिए अपना घर आश्रम नोखा में आए। अपना घर आश्रम नोखा की कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद प्रभुजी को अपने बेटी के साथ उनके बताएं पते नागौर घर के लिए सकुशल रवाना किया गया।

दिन में भी ठंड का अहसास

श्रीगंगानगर, (कासं)। श्रीगंगानगर क्षेत्र में रंग बदलते मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदला नजर आया। दिन का तापमान गत दिवस 30 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 28 डिग्री सेल्सियस आ गया। हालांकि दिन में धूप खिली रही लेकिन ठंडी हवाएं चलने से हल्की ठंड का प्रभाव बना रहा। जयपुर के मौसम वैज्ञानिकों ने आगामी दो तीन दिन ऐसा ही मौसम बना रहने की संभावना व्यक्त की है। क्षेत्र में सुबह सूर्योदय के साथ ही हल्की ठंडी हवाएं चलनी शुरू हो गई। दोपहर 12 बजे तक ऐसी ही स्थिति बनी रही। इसके बाद हवाओं की रफ्तार धीमी होने के साथ ही थोड़ी देर के लिए मौसम सुहावना हो गया। शाम चार बजे के बाद धूप का प्रभाव कम होने के साथ ही ठंड का प्रभाव फिर से बढ़ना शुरू हो गया। देर रात समाचार लिखे जाने तक न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास था।

लालगढ़ आर.ओ.बी. की मंजूरी फाइल ठंडे बस्ते में!

- फाइल बीकानेर से निकलकर जयपुर में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के यहां अटकी पड़ी है

बीकानेर, (कासं)। लालगढ़ आरओबी का मामला 2017 में भाजपा सरकार में शुरू हुआ था। कांग्रेस सरकार में एक बार काम गति भी पकड़ा मगर कानूनी दांवपेच में फंस गया। अब पुनः भाजपा सरकार आ गई। दो महीने पहले कानूनी दांव पेच से मुक्ति मिली। फाइल बीकानेर से निकलकर जयपुर में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के यहां पहुंची। अनुमति मिलने की उम्मीद थी लेकिन ठंडे बस्ते में पहुंच गई।

रेलवे चाहता है कि जल्द इसका काम पूरा हो मगर हालात ऐसे हैं कि फाइल हर कदम पर महीनों पड़ी रह जाती है। दरअसल अक्टूबर की शुरूआत में जब न्यायालय से काम पर लगी रोक हटी तो आरएसआरडीसी ने टाइम बार्ड हो चुके टेंडर को एप्रुव्ल कराने के लिए फाइल मुख्यालय भेजी। मुख्यालय से फाइल उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के पास भेजी गई। उप मुख्यमंत्री के यहां कार्यप्रणाली की बानगी ये है कि दो महीने बाद भी उस फाइल का नंबर नहीं आया।

उधर रेलवे बार-बार आरएसआरडीसी पर दबाव बना रहा कि आरओबी का काम कंपलीट करें। हैरानी की बात ये है कि दो महीने से अटकी फाइल पर चर्चा तक नहीं हो सकी। अगर टेंडर को बरकरार नहीं रखना तो नए सिरे से टेंडर के आदेश दिए जा सकते हैं। क्योंकि उस प्रक्रिया में भी दो महीने के करीब लग सकते हैं। अगर पुरानी ही फर्म को काम देना है तो एप्रूव किया जाए ताकि ठेकेदार काम शुरू करे। भाजपा नेता ही कई बार इस बात पर कलेक्टर को ज्ञापन दे चुके हैं कि लालगढ़ आरओबी पूरा कराने के लिए सरकार से चर्चा करें।

प्रभारी मंत्री के सामने मीडिया ने भी इस आरओबी की हकीकत को बयां किया। प्रभारी मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने भी दीया कुमारी से इसका निर्णय कराने का आश्वासन दिया था मगर इंतजार के सिवाय अब तक कुछ नहीं मिला। आरएसआरडीसी की इंचार्ज का कहना है कि उन्हें पता नहीं फाइल कहां है। जब एप्रूवल आ जायेगी तो काम शुरू करा दिया जायेगा। बीकानेर जिले की एक लाख आबादी इसके अधर में रहने से मुश्किल में है। ये आरओबी न बनने के कारण लोगों को पांच किलोमीटर चक्कर काटकर जाना पड़ता है। नेताओं के लिए ये सिर्फ एक फाइल है जबकि बीकानेर की एक लाख से अधिक लोग इस दर्द को झेल रहे हैं। लालगढ़ रेलवे स्टेशन जाने वालों को भी भारी परेशानी का सामना करना होता है।

इन्वर्टर की बैटरी फटने से धमाका

अनूपगढ़, (कासं)। मुख्य बाजार में स्थित एक इलेक्ट्रिक दुकान में आज दोपहर 12:30 बजे इन्वर्टर की बैटरी जोरदार धमाके के साथ फट गई। बैटरी फटने के धमाके की आवाज लगभग 100 मीटर तक सुनाई दी।

जिस समय यह हादसा हुआ उस समय दुकान के मालिक महेन्द्र वर्मा और कृष्ण लाल पास में ही काम कर रहे थे। दुकान पर दो ग्राहक भी थे। दुकानदार ने बताया कि धमाका होने के कारण आसपास रखा हुआ सामान भी बिखर गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। हालांकि बैटरी फटने के कारणों का अभी तक पता नहीं लग पाया है।

महेन्द्र वर्मा ने बताया कि वह अपने वर्कर के साथ दुकान पर कूलर की मोटर को सही करने का काम कर रहा था। उसी समय पास में ही लगे इन्वर्टर की बैटरी जोरदार धमाके से फट गई। बैटरी फटने के कारण आसपास लगा हुआ सामान भी बिखर गया। दुकान में बदबू और धुआं फैल गया।

दिन दहाड़े चोरी करने वाले युवक को दबोचा

- गजनेर की एक दुकान में दिन दहाड़े चोरी कर नकदी के साथ कुछ सामान भी निकाल लिया था
- पूछताछ में और भी खुलेंगी चोरी की वारदातें

बीकानेर, (कासं)। यहां लगातार बढ़ रही चोरियों के बीच गजनेर पुलिस ने दिन दहाड़े कस्बे में हुई चोरी का पर्दाफाश कर दिया है। एक चौबीस साल के युवक को गिरफ्तार किया है, जिससे चोरी का माल भी बरामद किया गया है। इस युवक के कुछ और चोरियों में शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार बीकानेर के अम्बेडकर कॉलोनी में रहने वाले अमजद खान को गिरफ्तार किया गया है। अमजद खान ने गजनेर की एक दुकान में दिन दहाड़े चोरी की थी। यहां से नकदी के साथ कुछ सामान भी निकाल लिया था। आशंका जताई जा रही है कि न सिर्फ गजनेर बल्कि बीकानेर शहरी क्षेत्र की कुछ चोरियों में भी अमजद शामिल हो सकता है। इसी आधार पर उससे अभी पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने सिर्फ गजनेर में हुई चोरी से पर्दा हटाया है लेकिन पूछताछ में कुछ और चोरियों से राज हट सकता है। गजनेर थाना प्रभारी राकेश स्वामी, एएसआई भगवानाराम, कांस्टेबल रामकुमार व खेराजराम इस कार्रवाई में शामिल थे। सूचना और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अमजद को गिरफ्तार किया गया है। उधर गजनेर के व्यापारियों ने इस मामले में खुलासा होने पर पुलिस की सराहना की है। दरअसल दिन दहाड़े दुकान में चोरी होने से व्यापारियों में खलबली मच गई थी।

परिवार शादी समारोह में गया था, पीछे से चोरी

- 75 हजार की नकदी, सोना-चांदी के जेवर चुरा ले गए चोर

बीकानेर, (कासं)। कोलायत से नोखा में एक विवाह समारोह में शामिल होने गए परिवार के घर में चोरी हो गई। चोरी की घटना के बाद से पुलिस पड़ताल में जुट गई है लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पिछले कुछ दिनों में कोलायत सहित अनेक गांवों में चोरी की घटनाएं बढ़ गई है।

कोलायत के वार्ड नंबर 6 में भंवरलाल नाई ने पुलिस को बताया कि 21 नवम्बर को वह किसी शादी समारोह में शामिल होने के लिए परिवार सहित नोखा गया था। जब वह वापस आए तो घर के मुख्य गेट के ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो अंदर के कमरों के भी ताले टूटे हुए मिले। चोरों ने कमरों में लगाए हुए पांच-छह तालों को तोड़ दिया। स्टोर में रखे 75 हजार रूपए, तीन तोला सोने का मंगलसूत्र और अंगूठियां, करीब एक किलो चांदी के कड़ला, पायलें और अन्य सामान चोरी हो गए। संदूक के ताले तोड़ दिए और सारा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया। पीड़ित भंवरलाल ने बताया कि कुछ दिन पहले उसने अपने दो लड़कों की सगाई की थी। शगुन के रूप में मिला चांदी का नारियल और उस पर मोली से बंधे रूपयों को भी नहीं छोड़ा। भंवरलाल के अनुसार उसने थाने में लिखित में रिपोर्ट दी है जिसके आधार पर पुलिस पड़ताल कर रही है।

वॉलीबाल में रॉयल बैटल टीम विजेता

बीकानेर, (कासं)। श्री जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 25 नवम्बर से तीन दिवसीय खेलों का शुभारंभ हुआ।

खेल प्रभारी अनिल तंवर एवं डॉ. राजेश कस्वां ने बताया कि प्रथम दिवस वॉलीबाल, बैडमिंटन एवं शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि खेल व्यक्तित्व विकास के श्रेष्ठ आयाम है। मीडिया सह प्रभारी फरसाराम चौधरी ने बताया कि वॉलीबाल प्रतियोगिता में रॉयल बैटल टीम विजेता व विक्ट्री वेपर्स टीम उप विजेता रही। बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजेश मेघवाल विजेता व आदर्श छींपा उप विजेता रहे। शतरंज प्रतियोगिता में हिमांशु नागल विजेता एवं केशव मदान उप विजेता रहे।

सुनील हत्याकांड मामले में तीन आरोपियों पर मामला दर्ज

- दो संदिग्धों को राउंडअप कर उनसे पूछताछ की जा रही है

नोखा, (कासं)। सुनील हत्याकांड मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है।

थानाधिकारी अमित कुमार स्वामी ने बताया कि दो संदिग्धों को राउंडअप कर उनसे पूछताछ की जा रही है। परिवादी की शिकायत पर तीन व्यक्तियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया है। घटना स्थल पर एफएसएल की विशेष टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में मृतक सुनील का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

जांगलू निवासी प्रमोद बेनीवाल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 23 नवम्बर की शाम को वह खुद तथा सुनील, ओमप्रकाश उर्फ कालूराम और श्रवण राड कैम्पर गाड़ी में सवार होकर देसलसर गांव स्थित भारतमाला पुलिया के पास भजनलाल ट्रक ड्राइवर को लेने गए थे। इसी दौरान पीछे से घात लगाकर बैठे रामस्वरूप और उसके दो पुत्र विकास और राजेश ने अपनी कैम्पर गाड़ी से उनकी गाड़ी का पीछा किया।

आरोपियों ने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मारी। टक्कर के बाद चारों लोग गाड़ी से उतरे। तभी आरोपियों ने अपनी गाड़ी घुमाकर जानबूझकर सुनील को टक्कर मारी। इसके बाद तीनों आरोपी गाड़ी से उतरे और सुनील पर लाठियों और सरियों से हमला किया। उन्होंने कहा कि सुनील अभी मरा नहीं है, इसे मार डालो।

जब हम तीनों (प्रमोद, ओमप्रकाश और श्रवण) सुनील को बचाने के लिए आगे बढ़े तो आरोपियों ने धमकी दी कि पास आने पर तुम्हें भी मार देंगे। आरोपियों ने सुनील को बेरहमी से पीटकर मार डाला और धमकी दी कि हमारे दुश्मनों का साथ देने वाले का यही अंजाम होगा। इसके बाद आरोपी अपनी गाड़ी में बैठकर मौके से फरार हो गए। घायल सुनील को अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसने दम तोड़ दिया। शिकायतकर्ता ने आरोपियों को आपराधिक प्रवृत्ति का बताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कलेक्टर-एस.पी. ने लिया राज्यपाल के प्रस्तावित रूट का जायजा

कलेक्टर नम्रता वृष्णि व पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर ने राज्यपाल के बीकानेर दौरे को लेकर तैयारी बैठक ली।

- महिला आयोग के कार्यक्रम में राज्यपाल आज बीकानेर आयेंगे

बीकानेर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एक दिवसीय दौरे पर मंगलवार को बीकानेर आयेंगे। राज्यपाल बागड़े मंगलवार सायं 4:30 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे तथा 4:35 बजे रविन्द्र रंगमंच के लिए रवाना होंगे।

राज्यपाल सायं 4:55 बजे रविन्द्र रंगमंच पहुंचेंगे तथा यहां राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। राज्यपाल यहां से सायं 6:20 बजे नाल एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। जहां से सायं 6:45 बजे हवाई मार्ग से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। राज्यपाल के दौरे के मद्देनजर जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि एवं पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सागर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली।

उन्होंने राज्यपाल प्रवास के मद्देनजर अधिकारियों को निर्देशित किया कि इनमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। बैठक में नगर निगम आयुक्त मयंक मनीष, नगर विकास न्यास सचिव अपर्णा गुप्ता, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ. दुलीचंद मीणा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौरभ तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

राज्यपाल के दौरे के मद्देनजर संबंधित अधिकारियों के साथ जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि एवं पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सागर ने संभावित रूट मार्ग तथा रविन्द्र रंगमंच में कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रवेश, निकास, बैठक, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, डायस प्लान, प्रस्तावित मिनट टू मिनट कार्यक्रम आदि की तैयारियों के बारे में जाना।

चोरी का आरोपी युवक गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। लगातार बढ़ रही चोरियों के बीच गजनेर पुलिस ने कस्बे में हुई दिन दहाड़े चोरी का खुलासा कर 24 वर्षीय युवक अमजद खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी का माल भी बरामद किया।

गजनेर की एक दुकान में हुई चोरी के दौरान नकदी और सामान की चोरी की गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीकानेर के अम्बेडकर कॉलोनी निवासी अमजद खान को गिरफ्तार किया। गजनेर थाना प्रभारी राकेश स्वामी, एएसआई भगवानाराम, कांस्टेबल रामकुमार और खेराजराम की टीम ने यह सफलता हासिल की। पुलिस को शक है कि अमजद खान अन्य चोरियों में भी शामिल हो सकता है। वर्तमान में उससे पूछताछ जारी है, जिससे बीकानेर के शहरी क्षेत्र की अन्य चोरियों का भी खुलासा होने की उम्मीद है। गजनेर के व्यापारियों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है। दिनदहाड़े चोरी की घटना से व्यापारी वर्ग में खलबली मच गई थी।

College of Community Science
Swami Keshwanand Rajasthan Agricultural University, Bikaner
Admission Notice
Session 2024-25
Prof. Vimla Dunkwal, Dean

Applications are Invited for the following Courses:

Courses	Qualifications
B.Sc (Hons.) Community Sc.	: 10+2 science with minimum 50% marks
B.Sc. (Hons.) Food Nutrition & Dietetics	
M.Sc. in Community Science	Bachelor degree in Community Science / FND with 55% Marks (Normal + Payment Seat)

JET appeared candidate may contact to the college for admission between 10.00AM to 5.00 PM.
Contact: 09413940444, 0151-2250692 (O)
Raj.Samwad/C/24/8261 DEAN

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर
क्रमांक :- LU2012/SGN/2024-25/101171 **लोक सूचना** दिनांक : 20.11.2024
श्रीमती सुमन देवी पत्नी श्री राजेश चाहर निवासी एम-03, नोजगे स्कूल के पीछे, मानसरोवर कॉलोनी, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक (कृषि आधारित) प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 1 जी छोटी तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्रीमती सुमन देवी पत्नी श्री राजेश चाहर	चक 1 जी छोटी मुरब्बा नं. 19 के किला नं. 12/3 में 0.0138 है. किला नं. 13/1 में 0.0632 है. किला नं. 18/3 में 0.0600 है. किला नं. 19/1 में 0.0138 है., किला नं. 22/5 में 0.0018 है., यथाकुल 0.1528 हैक्टेयर	कुल 0.1526 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 20.11.2024 को जारी की गयी।
- प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर
क्रमांक :- LU2012/SGN/2024-25/101170 **लोक सूचना** दिनांक : 20.11.2024
श्रीमती रजनी पत्नी श्री अमर सिंह सहारण निवासी 235 वार्ड नं. 07, बैंक वाली रोड़, नेतेवाला, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक (कृषि आधारित) प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 1 जी छोटी तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्रीमती रजनी पत्नी श्री अमर सिंह सहारण	चक 1 जी छोटी मुरब्बा नं. 37 के किला नं. 2/8 में 0.0139 है. किला नं. 2/11 में 0.0150 है. किला नं. 9/4 में 0.0368 है. में से 0.0137 है. किला नं. 9/6 में 0.0170 है., यथाकुल 0.0596 हैक्टेयर	कुल 0.0596 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 20.11.2024 को जारी की गयी।
- प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

स्कूटी सवार महिला को बचाने में जीप पलटी, पांच पुलिसकर्मी घायल

उच्चैन थाने का जाब्ता कार्रवाई के लिए फील्ड में जा रहा था, सेवर तिराहे पर हादसा हुआ

भरतपुर, (निसं)। उच्चैन थाने की जीप एक स्कूटी सवार महिला को बचाने में पलट गई। घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें से 4 पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक पुलिसकर्मी को प्राथमिक इलाज देकर छुट्टी दे दी गई है। थाने का जाब्ता कार्रवाई के लिए फील्ड में जा रहा था। इस दौरान यह हादसा हुआ।

एएसपी सतीश कुमार ने बताया कि घटना सुबह करीब 9 बजकर 30 मिनट की है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चल रहा है। थाने का जाब्ता कार्रवाई के लिए फील्ड में जा रहे थे। इस दौरान सेवर थाना इलाके में सेवर तिराहे स्थित रूद्र होटल से एक स्कूटी सवार महिला लापरवाही से पुलिस की जीप के आगे आ गई। स्कूटी सवार महिला को बचाने के चक्कर में पुलिस की जीप अनियंत्रित हो गई और तीन से चार पलटी खा गई। जीप में बैठे एएसआई कंचन सिंह, हेड कांस्टेबल ड्राइवर जयसिंह, हेड कांस्टेबल ब्रह्म स्वरूप, हेड कांस्टेबल लक्ष्मण सिंह, कांस्टेबल विश्वेंद्र सिंह घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत पांचों पुलिसकर्मियों को जीप से बाहर निकाला। घटना की सूचना सेवर थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद सभी को आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। कांस्टेबल विश्वेंद्र के मामूली चोट आई हैं, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। वहीं कंचन सिंह को ज्यादा चोटें आई है। घटना की सूचना मिलने के बाद एसपी मृदुल कच्छावा और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और सभी घायल पुलिसकर्मियों से घटना को लेकर बात की। चारों पुलिसकर्मियों का आरबीएम अस्पताल में इलाज जारी है।

हादसे के बाद घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

- **लोगों ने पांचों पुलिसकर्मियों को जीप से बाहर निकाला और सभी को अस्पताल में भर्ती करवाया**

कपड़े के गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का कपड़ा जला

महावीर मार्ग में कपड़े के गोदाम में लगी आग से कपड़ा व सामान जल गया।

मालपुरा, (निसं)। शहर के अति व्यस्त महावीर मार्ग में सोमवार को कपड़ा व्यापारी के कपड़ों के गोदाम में लगी आग से लाखों रूपयों का कपड़ा व घरेलू सामान जलकर हुआ राख। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पालिका दमकल ने आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर करीब दो बजे महावीर मार्ग में कैलाश डेठाणी की कपड़े की दुकान नवीन टेक्सटाईल के तीसरे माले पर गीजर में हुये शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते विकराल हुई आग ने पास ही कपड़ो के गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। कपड़ों में लगी आग से उठे धुंआ के गुबार निकलने पर पड़ोसी व्यापारियों ने कैलाश जैन को सूचना दी। मौके पर पहुंची नगरपालिका दमकल की सहायता से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। लेकिन आग और ज्यादा विकराल हो गई। तकरीबन एक दर्जन फायर सिलेंडरों से भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। बापू गैस एजेन्सी के कार्मिको ने तत्काल कमरे में कूदकर गीजर में लगे गैस सिलेंडर को सुरक्षित निकाल लेने से बड़ा हादसा होने से टल गया।

सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस उप अधीक्षक आशीष प्रजापत व मालपुरा थाने का भारी पुलिस जाप्ता तत्काल बाजार में पहुंचा। एएसआई रामनारायण गुर्जर सहित थाने के जवानों ने कडी मशक्कत कर मकान से परिवारजनों को सुरक्षित निकाल आमजन के सहयोग से आग पर काबू पा लिया।

- **गीजर में हुये शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने पास ही कपड़ों के गोदाम को चपेट में ले लिया**

लॉरेंस विश्नोई के नाम पर 50 लाख की रंगदारी मांगी

पीड़ित को मैसेज किया कि रुपए नहीं दिए तो जान की कीमत चुकानी पड़ेगी

भरतपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित कुम्हेर गेट निवासी विवेक शर्मा से लॉरेंस विश्नोई के नाम पर कॉल कर 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है। पीड़ित व्यक्ति को मैसेज कर कहा गया है कि अगर रुपए नहीं दिए तो जान की कीमत चुकानी पड़ेगी। मामले को लेकर पीड़ित ने कोतवाली पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है। मामला दर्ज होते ही पुलिस जांच में जुट गई है।

पीड़ित विवेक शर्मा ने बताया कि उसके पास 15 नवंबर को कॉल आया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस विश्नोई का सदस्य बताते हुए 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। मैने फोन काट दिया। उसके बाद एक धमकी भरा मैसेज आया और उसमें लिखा था कि आगे के मैसेज विश्नोई ग्रुप से मिलेंगे। 23 नवंबर को शाम को मैसेज आया जिसमें धमकी भरे लहजे में लिखा था 50 लाख रुपए तैयार रखना, कल फोन करेंगे। पैसा नहीं दिया गया तो गोली मार दी जाएगी, लॉरेंस विश्नोई गिरोह, जय श्री राम।

जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि पीड़ित ने पुलिस में मामला दर्ज करा दिया है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस टीम गठित कर जांच की जा रही है। जिन नंबर से कॉल और मैसेज किए गए है उनकी जांच तकनीकी सर्विलांस की सहायता से की जा रही है। जल्द आरोपी की गिरफ्तारी कर मामले का खुलासा करेंगे।

जानकारों की माने तो यह जो रंगदारी मांगी गई है इसका तरीका लॉरेंस विश्नोई की गैंग जैसा नहीं है। लॉरेंस विश्नोई की गैंग द्वारा जब भी किसी के पास फोन किया जाता है तो विदेशी नंबर होते हैं, लेकिन भरतपुर के व्यक्ति को जिस नंबर से फिरौती मांगी गई है, वह सामान्य नंबर और टैक्स्ट मैसेज किया गया है।

लाखों के जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में सूने मकान का अज्ञात चोर ताला तोड़ कर लाखों के जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पीड़ित हरिहर नगर श्रीनगर अम्बामाता निवासी पवन सोनी पुत्र नारायणलाल सोनी ने अम्बामाता पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि 23 मई को परिवार सहित रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में गए थे। वहां से लौटे तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो करीब नौ लाख के सोन- चांदी के जेवरात तथा 1 लाख 25 हजार रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर चोरी गए जेवरात की सूची बाद में देने की रिपोर्ट दी है।

नशीले कैप्सूल के साथ एक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के पदमपुर की ऋद्धि-सिद्धि कॉलोनी में पुलिस ने रविवार शाम एक बदमाश को 360 नशीले कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी इसी एरिया के गांव 18 बीबी का रहने वाला है। पुलिस को कस्बे की ऋद्धि-सिद्धि कॉलोनी में एक बदमाश के पास नशीले कैप्सूल होने की जानकारी मिली। इस पर एएसआई महेंद्र कुमार को मौके पर भेजा गया। पुलिस को कॉलोनी की जिस लोकेशन पर युवक के खड़े होने के जानकारी मिली थी, वहां पहुंचते ही मौके पर मौजूद युवक घबरा गया। इस पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। उसके पास 360 नशीले कैप्सूल बरामद हुए। आरोपी बिंद्रसिंह पुत्र ज्ञानसिंह ने बताया कि वह गांव 18 बीबी का रहने वाला है। पुलिस उसे थाने ले आई। उससे नशीले कैप्सूल लाने के पीछे उसके इरादे के बारे में पता लगाया जा रहा है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह यह नशीले कैप्सूल कहां से लाया है। जिले के पदमपुर में नशे का कारोबार काफी बढ़ा हुआ है। पहले भी यहां नशीले कैप्सूल पकड़े जाने के कई मामले सामने आ चुके हैं।

अवैध बजरी से भरा ट्रक जब्त

निवाई, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक केन्ट्रा ट्रक को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि पुलिस गश्त के दौरान गांव मूंडिया बाईपास पर पानी की टंकी के पास से बजरी परिवहन करने पर एक टाटा केन्ट्रा गाड़ी को जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि चालक रतन लाल पुत्र हरजीराम गुर्जर निवासी जेबाडिया थाना बरोनी को गिरफ्तार कर गाड़ी को जब्त करके थाने में खड़ा करवा दिया है।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरी गाड़ी, तीन घायल

दो गंभीर घायलों को नीमकाथाना अस्पताल रैफर किया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी से नीमकाथाना जाने वाली सड़क पर सोमवार सुबह एक गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस हादसे में गाड़ी में सवार एक महिला सहित तीन जने घायल हो गए। हादसे में दो घायलों की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार मुकुंदगढ निवासी अभिमन्यु (12) पुत्र अनिल, उषा (28) पत्नी अनिल अपनी रिश्तेदारी में शामिल होने के लिए खेतड़ी के लूणा की ढाणी आए हुए थे। रविवार को अभिमन्यु, उषा व खेतड़ी निवासी कैलाश पुत्र कालूराम गाड़ी में सवार होकर लूणा की ढाणी से सेफरागुवार बारात में गए थे। सुबह जब वापस सेफरागुवार से अपने घर लूणा की ढाणी लौट रहे थे तो गांव पहुंचने से कुछ दूर पहले ही अचानक गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया। इस दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी करीब दस फीट खाई में गिर गई।

हादसे में गाड़ी में सवार व्यक्ति घायल हो गए। हादसे के दौरान आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा घायलों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में पहुंचाया। हादसे में घायल अभिमन्यु पुत्र अनिल व कैलाश पुत्र कालूराम की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया, जबकि घायल उषा को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे की सूचना पर खेतड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मौका मुआयना किया तथा क्रेन की मदद से गाड़ी को खाई से बाहर निकाला। हादसे में गाड़ी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

अल्टो कार पर पलटा बेकाबू ट्रेलर, दंपती की दर्दनाक मौत

सड़क पर आए मवेशी को बचाने के चक्कर में ट्रेलर बेकाबू हो गया था

- **भतीजे की शादी के बाद गणेशजी की थाली कार्यक्रम में शामिल होकर दंपती मेड़ता सिटी लौट रहे थे**
- **हादसे में भतीजे की शादी से लौट रहे कार सवार ज्वैलर और उनकी पत्नी की मौत हो गई**
- **चूना पाउडर से भरे करीब 60 टन वजनी कट्टे लदे ट्रेलर के नीचे दबने से कार बुरी तरह पिचक गई**

जोधपुर, (कासं)। सड़क पर आए मवेशी को बचाने के चक्कर में एक ट्रेलर बेकाबू होकर पीछे चल रही अल्टो कार पर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर के नीचे दबने से अल्टो कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। हादसे में भतीजे की शादी से लौट रहे कार सवार ज्वैलर और उनकी पत्नी की मौत हो गई। एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला जा सका। मामला जोधपुर के पीपाड़ के मेगास्टेट हाईवे 21 दांतीवाड़ा-मेड़ता पर मालावास के पास रविवार रात हुआ।

पीपाड़ एसएचओ चुनीलाल ने बताया कि मेड़ता शहर की पंडित दीनदयाल कॉलोनी में रहने वाले खेमराज सोनी (36) और उनकी पत्नी मोनिका सोनी (34) पीपाड़ में भतीजे के शादी समारोह में शामिल होने आए थे। लौटते समय पीपाड़ से करीब दस किलोमीटर दूर मालावास के पास उनके आगे चल रहे ट्रेलर के सामने अचानक एक मवेशी आ गया। इसे बचाने के चक्कर में ट्रेलर ड्राइवर ने कट मार दिया, जिससे ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया और खेमराज की कार ट्रेलर के नीचे दब गई। ट्रेलर में चूना पाउडर से भरे करीब 60 टन वजनी कट्टे लदे हुए थे। इतने भारी ट्रेलर के नीचे दबने से कार बुरी तरह पिचक गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। घटना स्थल पर पहुंच कर तीन क्रेन और दो जेसीबी की मदद से ट्रेलर को हटवाया। इसके बाद काफी मशक्कत से कार के अंदर फंसे खेमराज और मोनिका को बाहर निकाला। खेमराम की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं पत्नी मोनिका की सांसे चल रही थी, लेकिन पीपाड़ हॉस्पिटल ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया।

घर पर ही थे बेटा-बेटी :- गत 22 नवम्बर को पीपाड़ में खेमराज के भतीजे की शादी थी। शादी के बाद रविवार को गणेशजी की थाली का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद खेमराज अपनी पत्नी मोनिका के साथ मेड़ता सिटी लौट रहे थे। खेमराज मेड़ता शहर के नन्हा बाजार में ज्वैलरी की दुकान संचालित करते थे। उनके परिवार में सात साल का बेटा और पांच साल की बेटी है। दोनों बच्चों ने माता-पिता को खो दिया। वे दोनों शादी में नहीं गए थे।

विश्वराज सिंह मेवाड़ का चित्तौड़ के फतह प्रकाश महल में राजतिलक हुआ

चित्तौड़गढ़ में विश्वराज सिंह मेवाड़ को गद्दी पर बैठाने की परंपरा निभाई गई

उदयपुर, (कासं)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के महाराणा महेंद्रसिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बेटे विश्वराज सिंह मेवाड़ का सोमवार को चित्तौड़ के फतह प्रकाश महल में राजतिलक हुआ। इसमें मेवाड़ के राव उमराव सहित हजारों लोग शामिल हुए। चित्तौड़गढ़ में विश्वराज सिंह मेवाड़ को गद्दी पर बैठाने की परंपरा निभाई गई। लोकतंत्र आने के बाद राजशाही खत्म हो गई है, लेकिन प्रतीकात्मक यह रस्म निभाई जाती है। सोमवार को चित्तौड़गढ़ किले के फतह प्रकाश महल में दस्तूर (रस्म) कार्यक्रम के दौरान खून से राजतिलक की रस्म हुई।

ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर लगभग 493 साल बाद राजतिलक की रस्म का आयोजन फतह प्रकाश महल प्रांगण में हजारों राजपूत समाजजनों के बीच धार्मिक और पारम्परिक रीति रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ। विश्वराज सिंह इस गद्दी पर बैठने वाले एकलिंगनाथजी के 77वें दीवान हुए। कार्यक्रम मेवाड़ के राव उमराव, ठिकानेदार पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे वहीं देश के कई राजपरिवारों के मुखिया या प्रतिनिधि, सामाजिक, शिक्षा, राजनीतिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों के भी कई प्रमुख, मेवाड़ के कई संत महात्मा और विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मेवाड़ की परंपरा अनुसार सलूंबर रावत देवव्रत सिंह ने राजतिलक की परंपरा निभाई। उसके बाद उमराव, बत्तीसा अन्य सरदार और सभी समाजों के प्रमुख लोगों ने नजराने पेश किये। इस मौके पर मौजूद अतिथियों ने आयोजन को इतिहास दौहराने वाला बताते हुए विश्वराज सिंह पर एकलिंग दिवान का दायित्व निर्वहन करने का विश्वास जताया। चित्तौड़गढ़ किले में राजतिलक की रस्म के दौरान विश्वराज सिंह को 21 तोपों की सलामी दी गई। विश्वराज सिंह वर्तमान में नाथद्वारा से विधायक भी हैं।

महाराणा महेंद्रसिंह मेवाड़ के निधन के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ का राजतिलक हुआ।

- **पारिवारिक विवाद के चलते उदयपुर में सुबह से सिटी पैलेस के मुख्य द्वार बंद रहे**

विश्वराज सिंह के राजतिलक की रस्म पर विवाद छिड़ा :- उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व सांसद महेंद्रसिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बड़े बेटे विश्वराज सिंह के राजतिलक की रस्म पर विवाद छिड़ गया है। महेंद्र सिंह मेवाड़ के भाई और विश्वराज के चाचा अरविंद सिंह मेवाड़ के परिवार ने परंपरा निभाने से रोकने के लिए उदयपुर के सिटी पैलेस के दरवाजे बंद कर दिए। वहीं आम सूचना प्रकाशित करके एकलिंग मंदिर में भी अनाधिकृत प्रवेश पर रोक लगा दी। हालांकि पारिवारिक विवाद के चलते सोमवार को उदयपुर में सिटी पैलेस के दोनों प्रमुख द्वारा सुबह से ही बंद रहे। इधर उदयपुर के सिटी पैलेस के दोनों मुख्य गेट बंद रहने के साथ ही सुबह से ही पैलेस प्रबंधन का पहरा रहा। दोपहर बाद कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी योगेश गोयल सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी जगदीश चौक होते हुए त्रिपोलिया गेट के बाहर पहुंचे। इस दौरान कुछ पल के लिए सिटी पैलेस के गेट खोलकर इनको अंदर प्रवेश करवाया। उसके बाद फिर से गेट बंद कर दिए गए। पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी दोनों पक्षों के बीच वार्ता कर सहमति बनाने के प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जाब्ता लगाया है। बाद में इन अधिकारियों ने समोर बाग वाले गेट पर जाकर स्थिति देखी। प्रशासन और पुलिस इस मामले में सहमति के लिए प्रयास कर रहा है। एक दिन पहले दूसरे पक्ष ने दो विधिक नोटिस जारी कर बिना अनुमति पैलेस में और एकलिंगजी मंदिर में प्रवेश पर चेताया है तो दूसरी तरफ विश्वराज सिंह मेवाड़ का पक्ष सिटी पैलेस में जाने के लिए अड़ा है।

महिला ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। विवाहिता ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। इस मामले में दंपती के खिलाफ पीड़िता को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोगुन्दा थाना क्षैत्र बडलीवाली भागल निवासी मीना कुंवर (30) पत्नी चम्पासिंह ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर आत्महत्या कर ली। मीना कुंवर 22 नवंबर को कडिया की हर से पैदल घर लौट रही थी। इस दौरान बीच रास्ते मिले रूपसिंह व उसकी पत्नी विद्याबाई दोनों ने उसे खरी-खोटी बात कही तथा जहर खाकर मरने की बात कही। इससे परेशान होकर उसने घर लौटकर विषाक्त का सेवन कर लिया। जिसे उपचार के लिए उसे एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई गोपालसिंह ने पीहर खमनोर से परिजनों को बुलवाकर उनकी मौजूदगी में मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिसकर्मी की मौत

भुसावर, (निसं)। उपखण्ड भुसावर के गांव छौंकरवाड़ा कलां निवासी एक पुलिसकर्मी की सड़क हादसे में हुई मौत के बाद उसके शव की राजकीय सम्मान के साथ अन्त्येष्टि की गई। मिली जानकारी के अनुसार गांव छौंकरवाड़ा कलां निवासी 52 वर्षीय मुकेश पुत्र मूली शर्मा जयपुर पुलिस में हैड कॉन्सटेबल के पद पर तैनात था, जहां उसकी सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी थी। घटना के बाद गांव में जैसे ही उनका शव पहुंचा तो कोहराम मच गया।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

क्रमांक : विद्युत/2024-25/910 दिनांक :- 22.11.24

ई- बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 07/2024-25

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विद्युत सम्बंधित 02 कार्य जिनकी कुल अनुमानित लागत राशि 48.7 लाख के कार्य हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 04.12.24 समय सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकरी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN No UNP2425WSRC00144

राज.संवाद/सी/24/8253 आयुक्त, नगर निगम, उदयपुर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR

File No. 3199 **Notice Inviting Bid** Date 20.11.2024

NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09936
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09937
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09938
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09939
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09940
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09942
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09943

Bids For NIT No. 09/2024-25 Misc. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 25.11.2024 11.00 AM to Date 06.12.2024 upto 6.00 PM. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 78.45 Lacs

(D.K. Gupta) Executive Engineer PWD Division Dholpur

DIPR/C/11606/2024

कार्यालय नगर पालिका अकलेरा जिला झालावाड (राज.)

क्रमांक :- न.पा.अ./2024/1605 दिनांक :- 20/11/2024

ई-निविदा सूचना

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्याः-न.पा.अ./2024/1591-1593 दिनांक 18/11/2024 के द्वारा MP-LADS निधि सें कुल 13 कार्य की अनुमानित लागत 40.86 लाख रू0 की पंजीकृत संवेदको से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN No. DLB2425WSOB12059, DLB2425WSOB12060, DLB2425WSOB12061, DLB2425WSOB12062, DLB2425WSOB12063, DLB2425WSOB12064, DLB2425WSOB12065, DLB2425WSOB12066, DLB2425WSOB12067, DLB2425WSOB12068, DLB2425WSOB12069, DLB2425WSOB12070, DLB2425WSOB12071

अध्यक्ष नगर पालिका मांगरोल अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मांगरोल

राज.संवाद/सी/24/8241

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत सवाई माधोपुर

क्रमांक-लेखा/2024-25/डी-1898 दिनांक-20.11.2024

ई-निविदा सूचना संख्या-07/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर परिवर्तित बजट घोषणा 17.01/2024-25 के अन्तर्गत जिला सवाई माधोपुर की नगर परिषद सवाई माधोपुर एवं नगर पालिका बौली में सडक निर्माण कार्य हेतु मय पांच वर्ष की मरम्मत एवं संधारण की अवधि लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए" एवं "ए" श्रेणी तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 2 पैकेजों हेतु जिनकी कुल राशि 259.00 लाख है, प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। कार्यवार UBN संख्या निम्नानुसार है।

NIB NO. - PWD2425A2751

UBN NO. - 1- PWD2425WSOB09982, 2- PWD2425WSOB09983

(हरिसिंह मीना) अधीक्षण अभियंता सा.नि.वि. वृत सवाई माधोपुर

DIPR/C/11640/2024

कार्यालय नगर परिषद, हिण्डौन सिटी, जिला करौली

क्रमांकः-न.प.हि./2559 दिनांकः-22.11.2024

-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2024-25 ::-

नगर परिषद हिण्डौन सिटी की ओर से हिण्डौन शहर के ड्रेनेज सिस्टम की डीपीआर निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी के नगर परिषद/नगर निगमों/नगर विकास निकायों, जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/ केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि केन्द्र/राजस्थान सरकार की सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/फर्मो से कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा प्राप्त की जावेगी। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in/www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है। UBN NO. DLB2425WSOB12261

सभापति नगर परिषद हिण्डौन सिटी आयुक्त नगर परिषद हिण्डौन सिटी

राज.संवाद/सी/24/8246

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/174 - 176 Date : 22/11/2024

ई-निविदा सूचना संख्या : 49/2024-25

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 47.96 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	: 23.11.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 03.12.2024 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 23.11.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 03.12.2024 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 04.12.2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2425WSOB00372, ITU2425WSOB00373

अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/24/8217

लॉरेंस-रोहित गैंग के चार डिलीवरी बॉय हथियारों के साथ गिरफ्तार

हत्या की फिराक में घूम रहे इन बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने देशी कट्टा, मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए

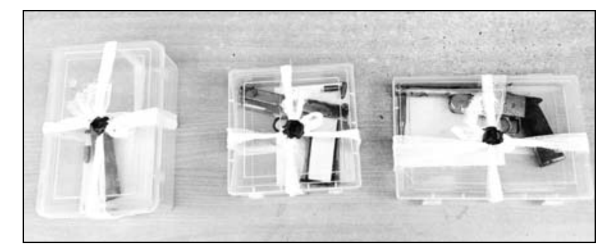

जयपुर में संजय सर्किल थाना पुलिस ने लॉरेंस विश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के चार डिलीवरी बॉय को अवैध देशी हथियारों के साथ गिरफ्तार किया हैं।

- **इन्हीं बदमाशों ने जयपुर के ब्रह्मपुरी में रहने वाले व्यापारी की जानकारी रोहित गोदारा तक पहुंचाई थी, जिसके बाद रोहित ने दो व्यापारियों को धमकाकर रंगदारी मांगी थी।**
- **पुलिस ने बदमाशों के फोन की तलाशी ली तो पता चला कि लॉरेंस गैंग का गुर्गा भटिंडा जेल में बंद रहकर इन्हें मध्यप्रदेश से हथियार लाने और जयपुर में सप्लाई के बारे में जानकारी दे रहा था। इन बदमाशों के मोबाइल पर यू.एस. से भी कुछ कॉल आने की जानकारी सामने आई हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। संजय सर्किल थाना पुलिस ने लॉरेंस विश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के चार डिलीवरी बॉय को अवैध देशी हथियारों के साथ गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा,एक मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद किया हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गैंग में जुड़ने के लिए चारों आरोपित पिछले कुछ समय से गैंग के लिए डिलीवरी का काम किया करते हैं। साथ ही सामने आया है कि गिरफ्तार बदमाशों ने जयपुर के ब्रह्मपुरी में रहने वाले व्यापारी की जानकारी रोहित गौदारा तक पहुंचाई थी। जिसके बाद रोहित गोदारा ने दो व्यापारियों को धमकी देकर रंगदारी मांगी थी।

गिरफ्तार चारों बदमाशों के फोन कॉल की जांच में सामने आया है कि लॉरेंस गैंग का गुर्गा भटिंडा जेल में बंद इन चारों बदमाशों को हथियार मध्यप्रदेश से लाने और जयपुर में कहां पर सप्लाई करना है, की जानकारी देता था। इन के मोबाइल पर यूएस से भी कुछ कॉल आने की जानकारी सामने आई हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि संजय सर्किल थाना पुलिस कार्रवाई करते हुए लॉरेंस गैंग से जुड़े हुए योगेश सैनी(28) निवासी सरोज सिनेमा के सामने संजय सर्किल, मोहम्मद अकील मँसुरी(31) निवासी भोपजी का डेरा संजय सर्किल, हरेन्द्र विश्नोई उर्फ राकेश (20) निवासी मकराना जिला डीडवाना-कुचामन हाल मालवीय नगर को गिरफ्तार कर इनके पास से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा, एक मैगजीन व पांच कारतूस बरामद किये।

पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ में सामने आया है कि वह लॉरेंश बिश्नोई गैंग के लिये काम करते हैं, उनके ही कहने पर किसी की हत्या करने के लिए हथियार लेकर आये थे। जिसकी हत्या की जानी है उसका नाम-पता व लोकेशन लॉरेंस ग्रुप के सदस्यों द्वारा दिया जाना था।

हत्या करने के बाद हम लोगों को गैंग की तरफ से पैसा मिलने वाला था। लॉरेन्स की गैंग वालों ने इंस्टाग्राम पर ग्रुप बना रखा है। पकड़े गए बदमाशों ने इस ग्रुप को फॉलो कर रखा हैं। हम लोग लॉरेंस बिश्नोई व उसकी गैंग के अन्य लोगों से सम्पर्क में आये थे। गिरफ्तार आरोपियों का लॉरेंस व रोहित गोदारा से सम्पर्क होने के कारण इन से गहन पूछताछ की गई तो पता चला कि दीपक सैनी निवासी बरवाला जिला हिसार हरियाणा के मार्फत पंजाब की जेल में बंद कैदी तथा रोहित गोदारा से सोशल मीडिया पर लगातार बातचीत होती रहती है।

रोहित गोदारा तथा लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल लगातार सोशल मीडिया पर भोले भाले लड़कों को जोड़कर उनका ब्रेनवॉश कर अपनी गैंग में शामिल करते हैं तथा पैसे वाले व्यापारियों के बारे में मालूम करके उनके मोबाइल नंबर प्राप्त कर उनको विदेश में बैठ कर रोहित गोदारा सोशल मीडिया व वॉट्सऐप के माध्यम से धमका कर फिरौती की रकम मांगता हैं। नहीं देने पर अपनी गैंग के अन्य सदस्यों द्वारा उनको डराने के लिए गोलियां चलवा देता हैं। ये चारों बदमाश लॉरेंस और रोहित गोदारा के लिए पिछले कई समय से डिलीवरी बॉय का काम किया करते थे। यह चारों बड़े व्यापारियों के नम्बर गैंग तक पहुंचाया भी करते थे। इन के द्वारा दिए गए नंबरों के बाद ब्रह्मपुरी में दो व्यापारियों को धमकी भरे कॉल भी आये थे।

मेनका गांधी ने जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी

पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता मेनका गाँधी ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति में विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी।

जयपुर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता मेनका गाँधी ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) में विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गाँधी का बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, सचिव भूपेन्द्र राज मेहता तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस.एस. बिस्सा ने स्वागत किया । उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि दिव्यांगों को कृत्रिम अंग और अन्य उपकरण निःशुल्क दिए जाते हैं। मेनका गाँधी ने देश के विभिन्न प्रान्तों से आए दिव्यांग जिसमें डेढ़ वर्ष का एक बच्चा भी शामिल था से बातचीत की और जयपुर फुट की गुणवत्ता के बारे में दिव्यांगों से जानकारी हांसिल की।

मेनका गाँधी ने जयपुर फुट पर एक प्रस्तुति भी देखी और बी.एम.वी.एस.एस. द्वारा दिव्यांगों के कल्याण और उनके पुर्नवास के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

लुटेरी दुल्हन शादी के 5 दिन बाद घर से जेवर-नकदी लेकर फरार

- **पीड़ित दूल्हे ने लुटेरी दुल्हन समेत उसकी गैंग के खिलाफ मामला दर्ज करवाया**

जयपुर । शिवदासपुरा थाना इलाके में एक लुटेरी दुल्हन शादी के पांच दिन बाद ही घर से सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी लेकर भागने का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि शादी करवाने की एवज में ढाई लाख रुपए दूल्हे के परिवार से लिए गए थे। इसके बाद शादी के पांच दिन सुसराल में रहने के दौरान सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी अलमारी से निकाल लुटेरी दुल्हन फरार हो गई। इस संबंध में थाने में पीड़ित दूल्हे ने लुटेरी दुल्हन सहित उसकी गैंग के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि बिलवा शिवदासपुरा निवासी 39 वर्षीय दूल्हे ने मामला दर्ज करवाया है कि आरोपी परिचितों ने घर मिलने आने पर उसकी शादी करवाने का ऑफर रखा। घरवालों ने शादी की जल्दी होने के कारण बातचीत करवाने के लिए कहा। दोनों परिचित आरोपियों ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जानकारी की लडकी होना बताया। लडकी की फोटो दिखाकर उसे व घरवालों को अपनी बातों में फंसाया। फोटो देखने पर लड़की अच्छी लगने पर बातचीत करने के लिए आने-जाने का खर्च बताकर पन्द्रह हजार रुपए ले लिए।

कुछ दिन बाद घर आकर बताया कि रोशनी के माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है। उसके भईया-भाभी प्रताड़ित करते हैं। इस कारण वह अपनी बड़ी बहन के साथ रहती है। बीए पास घरेलू लड़की है और मोबाइल-फेसबुक से दूर रहती है। शादी का पूरा खर्च लड़के वालों को उठाने पर रिश्ता तय होना बताया है। शादी के एवज में 2.50 लाख रुपए का खर्च होना बताकर देने की मांग की। रुपए देना तय होने पर 9 अक्टूबर को शादी होना तय हो गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक मंदिर में 9 अक्टूबर को दोनों की शादी करवाई गई। दस्तावेज पर लिखा-पढ़ी कर अगले दिन 10 अक्टूबर को दुल्हन को लेकर ससुराल आ गए। ससुराल में रहने के दौरान बहाने बनाकर पति से 35 हजार का मंगलसूत्र खरीदवाया।

पति से दूरी बनाए रखने के दौरान नजर बचाकर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और दस हजार रुपए नकदी निकाल लिए। 15 अक्टूबर को दूल्हे के नौकरी पर जाने के दौरान सास को गुमराह का घर से बाहर निकल गई। वापस घर नहीं लौटने पर परिजनों के काफी ढूंढने पर भी उसका पता नहीं चला। अलमारी खोलकर देखने पर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी गायब मिलने पर लुटेरी दुल्हन के फरार होने का पता चला। शादी करवाने वालों को संपर्क करने पर पहले टालमटोल के बाद धमकाने लगे। पीड़ित दूल्हे ने कोर्ट के जरिए थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

देवनानी ने चन्द्रशेखर को ढांढस बंधाया

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के बांदा में पहुंच कर चन्द्रशेखर की माता जयंती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के बांदा में पहुंच कर चन्द्रशेखर की माता जयंती देवी के निधन पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने स्वर्गीया देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी। देवनानी ने चन्द्रशेखर सहित परिजनों को ढांढस बंधाया। देवनानी ने कहा कि मानव जीवन की यात्रा में सबसे अधिक योगदान मां का होता है। उन्होंने कहा कि जीवन को बेहतर बनाने, मूल्यौ, आंकाक्षाओं और चरित्र को आकार देने में माँ का मार्ग-दर्शन होता है। जीवन की चुनौतियों का मुकाबला करने और जिम्मेदारियों को सजग्ता से पूरा करने के लिए प्रोत्साहन और आत्म-बल माँ से मिलता है।

देवनानी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिये और शोक संतप्त परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की।

उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्ष और सदस्यों के लिए पहली बार होगी लिखित परीक्षा

जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने कहा है कि उपभोक्ता संरक्षण के साथ कंज्यूमर केयर की अवधारणा को मूर्त रूप दिये जाने के क्रम में राज्य में उपभोक्ता विषयक विभिन्न नवाचारों के साथ उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत उपभोक्ता आयोगों में होने वाली भर्तियों में पहली बार लिखित परीक्षा का प्रावधान किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद चयनित अध्यक्ष और सदस्य के विषयविज्ञ-दक्ष होने के साथ न्यायिक प्रक्रिया एवं कार्यात्मक क्षमता में न केवल अपेक्षाकृत वृद्धि होगी बल्कि समयबद्ध न्याय सुलभ होगा और उपभोक्ता आन्दोलन सुदृढ़ होगा।

अनियंत्रित स्कूटी के साथ खाई में गिरा युवक

- **पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम ने रेस्क्यू कर युवक को बाहर निकाला**

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में स्थित नाहरगढ़ पहाड़ी पर सोमवार शाम अनियंत्रित होकर स्कूटी सहित युवक खाई में जा गिरा। सूचना मिलने पर पुलिस सहित सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन किया। जहां सौ फीट गहराई में गिरकर घायल हुए युवक को सिविल डिफेंस टीम ने रस्सी की मदद से बाहर निकाला। पुलिस ने एसएमएस अस्पताल में घायल युवक को भर्ती करवाया है।

थानाधिकारी ईश्वर चन्द ने बताया कि नाहरगढ़ पहाड़ी पर सोमवार शाम अनियंत्रित हो गिरे घायल युवक जय सिंघल (26) सिद्धार्थ नगर जवाहर सर्किल का रहने वाला है। वह सोमवार को वह स्कूटी से नाहरगढ़ पहाड़ी पर घूमने गया था। सोमवार शाम साढे चार पहाडी से स्कूटी लेकर नीचे उतर रहा था। इसी दौरान घुमाव पर किसी गाड़ी के आने पर अनियंत्रित होकर स्कूटी सहित पहाड़ी से नीचे खाई में जा गिरा। करीब 100 फीट गहरी खाई में स्कूटी सहित जय सिंघल नीचे पत्थरों पर जा गिरा। सिर के पिछले हिस्से में चोट लगने से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम को मौके पर बुलाकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। करीब एक घंटे मशक्कत के बाद सिविल डिफेंस टीम ने रस्सी की मदद से खाई से बाहर निकाला। घायल जय सिंघल को एम्बुलेंस की मदद से एसएमएस अस्पताल भिजवाया गया। डॉक्टर घायल जय सिंघल को भर्ती कर इलाज कर रहे है।

आत्महत्या की धमकी देकर पति से 15 लाख रु. मांगे

जयपुर । मालपुरा गेट थाना इलाके में आत्महत्या करने की धमकी देकर एक महिला द्वारा ब्लैकमेल कर पति से लाखों रुपये ऐंठने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 15 लाख रुपए की डिमांड की। मालपुरा गेट थाने में पीड़ित पति ने पत्नी व उसके परिवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि सांगानेर निवासी 28 वर्षीय युवक ने मामला दर्ज करवाया है कि अप्रैल-2024 में उसकी शादी उत्तर प्रदेश निवासी 26 साल की युवती से हुई थी। शादी के बाद ससुराल आने के एक-दो दिन बाद ही पत्नी ने गृहक्लेश शुरू कर दिया। परिवारिक झगड़े करवाने के लिए एक-दूसरे को उकसाने लगी।

अलग रहने के लिए पति पर दबाव बनाकर झगड़ने लगी। आरोप है कि आत्महत्या करने की धमकी देकर पति को ब्लैकमेल करने लगी। अपने घरवालों की जरूरतों के लिए रुपयों की डिमांड कर लेती रही।

पीड़ित ने अपने घरवालों से शिकायत करने की कहने पर आत्महत्या कर सभी को जेल में बंद करवाने की धमकी देने लगी।

बदमाशों ने दो कारों में आग लगाई

जयपुर । खोह नागोरियान थाना इलाके में रविवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने दो कारों को आग के हवाले कर दिया। कार के एसी का कंप्रेसर फटने पर लोग घरों से बाहर निकले। इससे पता चला कि आग में आग लगी हुई है। लोगों ने मिल कर आग को कंट्रोल किया। इसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। थानाधिकारी सुरेन्द्र ने बताया कि कार मालिक सागीर और उसका परिवार खोह नागोरियान थाना इलाके के ढेर की ढाणी इलाके में रहते हैं। रविवार रात को अज्ञात लोग कॉलोनी में घुसे। घर के बाहर खड़ी कार में पेट्रोल डाल कर आग लगा दिया। इस दौरान बदमाशों ने फैजान की कार को भी जलाया।

'विद्यालयों में सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करें'

जयपुर । जिला कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला निष्पादक समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने शिक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्राधिकार वाले राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करावें, साथ ही विद्यालयों में सरकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन पर भी फोकस करने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को पीएम श्री स्कूलों का नियमित निरीक्षण करने, विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था, टॉयलेट, पुस्तकालय सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये, साथ ही विद्यालयों के पुस्तकालयों में रखी पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों में करने एवं विद्यार्थियों से पुस्तक अध्ययन एवं रखरखाव के लिए प्रेरित करने के लिए भी निर्देशित किया।

राजस्थान विश्वविद्यालय में आनंदम दिवस मनाया

राजस्थान विश्वविद्यालय में आनंदम समिति एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में मानविकी सभागार में सोमवार को आनंदम दिवस के अवसर पर कुलपति डॉ.अल्पना कटेजा ने संबोधित किया।

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में आनंदम दिवस आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आनंदम समिति एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में मानविकी सभागार में आज आयोजित किया गया। आनंदम दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, करूणा, मैत्री, सृजनम एवं अनुकंपा भाव विकसित करना और दूसरों के लिये जीना सिखाना है।

आनंदम दिवस का प्रारंभ आनंदम समिति संयोजक प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा आनंदम कार्यक्रम के परिचय से कराया। इसके बाद आईक्यूएसी संयोजक प्रो.रश्मि जैन ने बताया कि आनंदम विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट गतिविधि है। जिसका दायरा बढ़ा कर हमें समुदाय के बीच में जाना होगा। जिससे विद्यार्थियों का ना केवल स्व विकास होगा अपितु परपीड़ा को समझने की क्षमताओं में वृद्धि होने से एक संवेदनशील व्यक्तित्व के निर्माण से सुंदर समाज का निर्माण होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा की गई। उन्होंने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक गुणवत्ता के लिये पूरे देशभर में जाना जाने वाला एक प्रतिष्ठित संस्थान है। जो ना केवल शैक्षिक गुणवत्ता के लि ये प्रतिबद्ध है अपितु विद्यार्थियों को समाज का प्रकार्यकारी सदस्य बनाने की दिशा में भी कार्यरत है।

कार्यक्रम के अंत में प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा आनंदम की कार्ययोजना को स्पष्ट करते हुए 16 गतिविधियों के बारे में बताया जिनमें कच्ची बस्तियों में शिक्षा कार्य, अस्पताल में सहायता कार्य, वृद्ध सेवा कार्य, तकनीक का सही प्रयोग, पर्यावरण संरक्षण, जागरूकता कार्यक्रम, व्यसन मुक्ति, संपोषणीय विकास, योग, मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण, ऊर्जा एवं पानी संरक्षण आदि। इन गतिविधियों के माध्यम से राजस्थान विश्वविद्यालय के विद्यार्थी समुदाय में जाकर समुदाय के लिये कार्य करेंगे। कार्यक्रम में लगभग 500 विद्यार्थी एवं अनेक शिक्षक सम्मिलित हुए।

कृषि विद्युत कनेक्शन के अनाधिकृत बढ़े हुए भार बिना पेनल्टी के होंगे नियमित

जयपुर । कृषि क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में वृद्धि और कृषि उपभोक्ताओं को सुविधा के लिए स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना लागू की हुई है। योजना के तहत् कृषि कनेक्शन के अनाधिकृत बढे हुए भार को बिना किसी पेनल्टी के मात्र धरोहर राशि जमा करवाकर नियमित कर दिया जाएगा। योजना 31 दिसम्बर, 2024 तक प्रभावी रहेगी।

डिस्कॉम चेयरमैन व जयपुर डिस्कॉम की प्रबन्ध निदेशक सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि जिन कृषि उपभोक्ताओं ने कनेक्शन लेने के बाद किसी भी कारण से स्वीकृत भार से अधिक क्षमता की मोटर लगाकर अनाधिकृत रूप से अपने विद्युत भार को बढा लिया है, ऐसे कृषि उपभोक्ता इस योजना के तहत अपने बढे हुए भार को मात्र 60 रू प्रति एचपी की दर से धरोहर राशि जमा करवाकर नियमित करवा सकते है। ऐसे उपभोक्ताओं से कोई भी पैनल्टी राशि नही ली जाएगी।

किसानों को फसल की सिंचाई के लिए पूरी और अच्छी गुणवत्ता की बिजली मिलने के साथ ही फसल को पानी देते समय ट्रांसफॉर्मर जलने की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं दूसरी ओर अनाधिकृत बढे हुए विद्युत भार के नियमित होने से डिस्कॉम द्वारा उचित क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर किसानों को बिना व्यवधान के बिजली आपूर्ति में मदद मिलेगी।

यह योजना 31 दिसम्बर, 2023 तक जारी कृषि कनेक्शनों पर लागू होगी। ऐसे कृषक जो उसी कुएं पर दूसरी मोटर लगाकर भार वृद्धि करते हैं अथवा दूसरे कुएं पर जो उसी खसरा/खेत/परिसर/मुरब्बा में हो, दूसरी मोटर चालाने के लिए भार बढाते हैं।

मानसरोवर पुलिस ने अवैध हथियारों का जखीरा पकड़ा

- **हथियार तस्कर हेमराज सौरोत भी पुलिस के हत्थे चढ़ा**

जयपुर (कासं)। मानसरोवर थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत अवैध हथियारों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार इंस्टाग्राम आईडी की मदद से अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त करता है और स्पा सेंटर में मारपीट व डकैती की वारदात में वांछित चल रहा था। इसके अलावा आरोपी पूर्व में भी अवैध हथियार के प्रकरण में गिरफ्तार हो चुका है।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी तस्कर हेमराज मध्य प्रदेश (एमपी) से हथियार लेकर आया था और उसे जयपुर में इसकी डिलीवरी करनी थी। डिलीवरी करने से पहले पुलिस टीम को अवैध हथियारों की जानकारी मिली। इस पर पुलिस टीम बिना समय गवाए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों का जखीरा जब्त कर हथियार तस्कर हेमराज सौरोत (20) निवासी खेरली जिला अलवर हाल बस्सी जयपुर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से सात पिस्टल मय मैगजीन, एक अतिरिक्त मैगजीन सहित आठ जिन्दा कारतूस बरामद की है। साथ ही आरोपी हेमराज सौरोत से अवैध हथियार के संबंध में गहन पूछताछ की गई तो सामने आया कि वह हथियार हब, हथियार क्लब नाम की इंस्टाग्राम आईडी से इंस्टाग्राम पर सम्पर्क कर मनावर,मध्य प्रदेश से खरीदना सामने आया है तथा सोशल मीडिया/इंस्टाग्राम के मार्फत ही खरीददार तैयार करना बताया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी हेमराज सौरोत एक शातिर अपराधी है। जो आजकल अवैध हथियारों की तस्करी करता है तथा मध्यप्रदेश से भारी मात्रा में ऑटोमेटिक पिस्टल खरीदकर ला रहा है। जयपूर शहर में बदमाशों से सम्पर्क कर हथियार सप्लाई देने का प्रयास कर रहा है। इस सूचना के आधार पर बदमाश हेमराज सौरोत की रैकी कर मुखबिर तैयार किये गए। फिर सूचना मिली कि आरोपित हेमराज सौरोत मध्यप्रदेश से भारी मात्रा में हथियार व कारतूस लेकर आया है।

जो थाना इलाके में किसी व्यक्ति को हथियार सप्लाई देगा। सूचना के आधार पर आस पास के इलाकों में सादा वस्त्रों में स्पेशल टीम के पुलिसकर्मी लगाये जाकर निगरानी की गई। जिस पर पुलिस ने आरोपी हेमराज सौरोत को गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध हथियार बरामद ए़ि गए है। पुलिस आरोपी से अवैध हथियार की खरीद फरोख्त के स्त्रोतों के संबंध पूछताछ करने मे जुटी है और साथ ही एक पुलिस टीम हथियार खरीद स्थल मुनावर (मध्यप्रदेश) भेजी गई है जो हथियार खरीद के स्त्रोतों के संबंध में जांच पड़ताल कर रही है।

बीकानेर संभाग में निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन

नोखा में विद्युत कर्मियों ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन उपखंड अधिकारी को सौंपा।

■ निजीकरण को बंद करने, पद कटौती बंद करके जीपीएफ कटौती शुरू करने की मांग

नोखा, (कासं)। नोखा में सोमवार को राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के प्रदेश व्यापी आव्हान पर विद्युत कार्यालय में सभी कर्मचारी, अभियंताओं ने निजीकरण को बंद करने, पद कटौती बंद करके जीपीएफ कटौती शुरू करने व स्थायी कर्मचारियों की भर्ती करने की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना देकर कार्य बहिष्कार कर प्रदर्शन किया।

सहायक अभियंताओं के माध्यम से एसीएस ऊर्जा विभाग को व उपखंड अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। श्रमिक नेता चुन्नीलाल राजस्थानी ने बताया कि विद्युत के क्षेत्र में उत्पादन, प्रसारण व वितरण में भिन्न-भिन्न प्रक्रियाओं एवं मॉडल के नाम पर किये जा रहे अंधाधुंध निजीकरण पर रोक लगाने, पांचों विद्युत निगमों में कार्यरत कर्मचारियों को लगभग एक वर्ष पूर्व ओपीएस योजना का फार्म भरवाकर सदस्य बना दिया गया परंतु अभी तक पुरानी पेंशन योजना संस्था में लागू होने के बाद नियोक्ता अंशदान के रूप में कोई कटौती सीपीएफ योजनांतर्गत नहीं की जायेगी की अनुपालना में आज तक सीपीएफ कटौती बंद करके जीपीएफ कटौती शुरू नहीं की गई है जिसे तुरंत शुरू किया जाए।

विद्युत निगमों में स्टाफिंग पैटर्न के आधार पर स्थायी कर्मचारियों की भर्ती की जाए।

धरने को राजेश कुमार मीणा, अजयसिंह पलाना, आशीष सोनी, दीपक शर्मा, प्रेमसुख बिश्नोई, भंवरसिंह बीदावत, सीताराम तरड़, शिवपाल सिंह शेखावत, नरेन्द्र कुमार छिंपा, रामलाल ढाका, दिनेश लखारा, प्रहलाद सिंह, ओमप्रकाश कुमावत, गोपीकिशन छिंपा, मनीष पारीक, सुंदरलाल, महेश पारीक, धन्नाराम, बजरंग बिश्नोई, महादेव नाई, जगदीश सारण, अनिलनाथ, अमनदीप, विजेन्द्र कुमार, जगदीश गोदारा, सुरेन्द्र सिंह, बलदेव फौजी, नितिन शर्मा आदि ने सम्बोधित किया।

श्रीगंगानगर। जोधपुर डिस्कॉम में विभिन्न सेवाओं के निजीकरण के विरोध में सोमवार को श्रीगंगानगर में कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। यहां सब डिविजन लेवल पर धरना लगाया गया। इसके अलावा कर्मचारियों ने एसई और प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे। विभिन्न सब डिविजन लेवल पर अलग-अलग विरोध प्रदर्शन हुए।

कर्मचारियों का कहना था कि जोधपुर डिस्कॉम में एक के बाद एक लगातार विभिन्न कामों का निजीकरण हो रहा है। यह किसी भी स्थिति में ठीक नहीं है। इन लोगों का कहना था कि विद्युत उत्पादन, प्रसारण और वितरण में लगातार काम प्राइवेट हाथों में दिए जा रहे हैं। निगम का कामकाज प्राइवेट हाथों में आने से आमजन को अभी मिलने वाली सुविधाएं घटेगी।

इस संबंध में राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति ने पूर्व में भी विरोध जताया था, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। श्रीगंगानगर में जिलेभर में हुए विरोध प्रदर्शन में राजस्थान विद्युत श्रमिक महासंघ (बीएमएस), प्रांतीय विद्युत मंडल मजदूर फैडरेशन (इंटक), राजस्थान बिजली वर्कर्स फैडरेशन (एटक), राजस्थान विद्युत कामगार एकता फैडरेशन (सीटू), राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन, पावर इंजीनियरिंग एसोसिएशन, आरएसईबी इंजीनियरिंग एसोसिएशन, बिजली इंजीनियरिंग ऑफ जोधपुर डिस्कॉम, राजस्थान विद्युत कर्मचारी संघ, ऑल राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी एम्प्लाइज फैडरेशन, विद्युत कर्मचारी फैडरेशन ने रोष जताया।

महिलाओं की जनसुनवाई आज

अनूपगढ़,(कासं)। बीकानेर जिला कलेक्ट्रेट में राष्ट्रीय महिला आयोग- आपके द्वार के तहत मंगलवार को जनसुनवाई की जायेगी।

इस जनसुनवाई में अनूपगढ़ जिले की महिलाएं भी भाग ले सकती हैं। जिला कलेक्टर अवधेश मीना ने बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग प्रत्येक महिला के सशक्तिकरण और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके विषयों को जमीनी स्तर पर संबोधित करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग- आपके द्वार के तहत जन सुनवाई की जायेगी। उन्होंने बताया कि इस जनसुनवाई का उद्देश्य महिलाओं से संबंधित लंबित मामलों का समाधान करना और सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान करना है।

कलेक्टर ने बताया कि यह जन सुनवाई 26 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से बीकानेर कलेक्ट्रेट में आयोजित की जायेगी। इसमें राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर, आयोग की सदस्य ममता कुमारी और डॉ. अर्चना मजूमदार तथा आयोग की सदस्य सचिव मीनाक्षी नेगी उपस्थित रहेंगी। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित इस जनसुनवाई में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। जिससे महिलाओं से संबंधित मुद्दों का शीघ्र समाधान किया जा सके। बीकानेर, हनुमानगढ़, अनूपगढ़ और श्रीगंगानगर जिले की महिलाओं की सुनवाई की जायेगी।

सार-समाचार

बैठक में एजेंडों का अनुमोदन

वेटरनरी विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद् की बैठक को कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय की 29 वीं अकादमिक परिषद् की बैठक कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित की गई। बैठक के प्रारम्भ में कुलपति आचार्य दीक्षित ने अकादमिक परिषद के सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं गत बैठक के सभी बिन्दुओं पर विचार विमर्श करते हुए कार्य अनुपालना को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। कुलसचिव बी.एल. सर्वा द्वारा बैठक में एजेण्डे प्रस्तुत किये गये तथा अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा विभिन्न एजेन्डों का अनुमोदन किया गया। बैठक में अकादमिक परिषद् सदस्यों ने वेटरनरी महाविद्यालय, नवानिया, वल्लभनगर (उदयपुर) के लोगो (प्रतीक चिन्ह) पर सहमति जारी की। बैठक में स्नातक पाठ्यक्रमों बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. तथा डेयरी टेक्नोलॉजी में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर परीक्षा आयोजित करने के सुझावों पर चर्चा की गई। इसके अलावा बैठक में डेयरी साइंस एवं डेयरी खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों के पाठ्यक्रमों के नये सत्र से छट्टी डीन कमेटी की सिफारिश के अनुसार लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। इसके अलावा परिषद् द्वारा अधिष्ठाता स्नातकोत्तर अध्ययन द्वारा जारी विभिन्न अधिसूचनाओं का अनुमोदन तथा शोध गुणवत्ता हेतु एंटी-प्लेगियरिज्म नीति एवं विनियमों को प्रभावी तरीकों से लागू करने हेतु चर्चा की गई। अधिष्ठाता वेटरनरी महाविद्यालय, बीकानेर प्रो. हेमन्त दाधीच ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में अधिष्ठाता स्नातकोत्तर अध्ययन प्रो. राजेश कुमार धूड़िया, निदेशक अनुसंधान प्रो. बी.एन.श्रृंगी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रवीण बिश्नोई, निदेशक पी.एम.ई. प्रो. उर्मिला पानू, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुनीता पारीक, अधिष्ठाता पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर प्रो. धर्म सिंह मीणा, अधिष्ठाता वेटरनरी कॉलेज, नवानिया (उदयपुर) प्रो. बलवंत मेश्राम, अधिष्ठाता वेटरनरी कॉलेज, जोधपुर प्रो. शिव कुमार शर्मा, डॉ. पंकज थानवी, डॉ. मितेश गौड़, डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. कुलदीप चौधरी, डॉ. राजेन्द्र स्वामी तथा अकादमिक परिषद् के सदस्य एवं विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ताराचंद सारस्वत ने की जनसुनवाई

श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनी।

बीकानेर, (कासं)। श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने सोमवार को विधायक लोक सेवा केन्द्र में जनसुनवाई की। उन्होंने पानी, बिजली, साफ सफाई व सड़क सहित विभिन्न मुद्दों पर जनसुनवाई की तथा अधिकारियों को दूरभाष पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान तहसील के विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने विधायक को विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया। जनसुनवाई में डेढ़ सौ से अधिक लोग मौजूद थे।

कोहरे में फॉग डिवाइस देगी सिग्नल

श्रीगंगानगर, (कासं)। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे की बीकानेर डिवीजन में आने वाले दिनों में कोहरे को देखते हुए विशेष तैयारियां की गई हैं। कोहरे के कारण होने वाले रेल हादसे रोकने के लिए लोको पायलट को फॉग डिवाइस दिए जायेंगे। जिससे कि उन्हें सिग्नल की सही जानकारी मिल सके। डिवीजन की 287 पैसेंजर ट्रेनों और लगभग 120 गुड्स ट्रेनों में लोको पायलट को यह फॉग डिवाइस दी जायेगी। ये डिवाइस कोहरे के समय लोको पायलट को सिग्नल के संबंध में सही सूचना देगी। उन्हें यह बताएगी कि आगे कौनसे प्रकार का सिग्नल आने वाला है। यह डिवाइस लगभग 2000 मीटर से पहले ही लोको पायलट को आने वाले सिग्नल के बारे में सूचित करना शुरू कर देती है, इससे लोको पायलट ट्रेन की गति को नियंत्रित करते हुए सिग्नल को सुरक्षित पार करने के लिए तैयार रहता है। बीकानेर डिविजन में हरियाणा के रेवाड़ी से बठिंडा रेल सैक्शन और पंजाब में भटिंडा से श्रीगंगानगर में सूरतगढ़ रेल सैक्शन विशेष रूप से कोहरे से प्रभावित रहता है। इसके साथ ही रात्रि गश्त के लिए ट्रेकमेन्टेनर की ड्यूटी लगाई जाएगी, ताकि सर्दी में होने वाले रेललाइन फैक्चर की तुरंत सूचना मिल सके और खतरे की स्थिति को टाला जा सके। इन डेटोनेटर को ट्रैक मेंटेनर रेललाइन फैक्चर होने पर गाड़ी आने की दिशा में एक निश्चित दूरी पर रेललाइन पर फिट करता है, ताकि जब इंजन के व्हील इस डेटोनेटर के ऊपर से गुजरें तो यह डेटोनेटर तेज आवाज के साथ फूटे और लोको पायलट आवाज सुनकर गाड़ी की गति को नियंत्रित कर दें।

49 शहरी सरकारों का कार्यकाल खत्म, प्रशासक लगेंगे

■ वन स्टेट वन इलेक्शन के चलते अटके निकायों के चुनाव

सूरतगढ़, (कासं)। राज्य की 49 शहरी सरकारों का कार्यकाल सोमवार को समाप्त हो गया है। हालांकि राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है, लेकिन वन स्टेट वन इलेक्शन योजना के तहत चुनावों में देरी के कारण अब इन निकायों में प्रशासक लगाये जायेंगे। इस संबंध में आदेश जारी होने की संभावना है। इन 49 निकायों में बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और सूरतगढ़ शहर भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार राज्य के 49 निकायों में 19 नवम्बर 2019 को पार्षदों का चुनाव हुआ था और 26 नवम्बर को अध्यक्ष का चुनाव हुआ था। राजस्थान नगर पालिका अधिनियम-2009 के तहत पहली बैठक के लिए निर्धारित तारीख से पांच वर्षों का कार्यकाल तय किया गया था। जिसके अनुसार निकायों का कार्यकाल 25 नवम्बर को समाप्त हो रहा है। इस बार राज्य सरकार की योजना वन स्टेट वन इलेक्शन की है, जिसके चलते इन 49 निकायों के चुनावों में देरी हो गई है। सोमवार को कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद अब तक सरकार ने बोर्ड भंग कर प्रशासक लगाने का आदेश नहीं दिया है।

इस बीच निकाय प्रमुखों का कार्यकाल बढ़ाने की भी चर्चा चल रही है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि नगर पालिका अधिनियम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। इसके लिए विधेयक लाना पड़ेगा। कार्यकाल समाप्त होने में मात्र एक दिन ही बाकी है। ऐसे में संभावना है कि बोर्ड भंग कर संबंधित उपखंड अधिकारी को प्रशासक के रूप में नियुक्त किया जायेगा। इस स्थिति में पालिकाध्यक्ष और सभी पार्षद निर्वतमान हो जायेंगे। इससे पहले, 1999 से पहले कई वर्षों तक नगर पालिकाओं की जिम्मेदारी प्रशासकों के हाथ में रही थी।

लगभग 10 साल तक प्रशासक के रूप में कार्य करने के बाद 1999 में नगर पालिका के चुनाव हुए थे। जिनमें भाजपा की आरती शर्मा अध्यक्ष चुनी गई थीं।

श्रीगंगानगर। प्रदेश के 158 निकायों में वार्ड गठन व परि सीमांकन के लिए 1 से 30 दिसम्बर तक प्रस्ताव तैयार कर प्रकाशित किए जायेंगे। वहीं दूसरी दूसरी ओर 25 नवम्बर को श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सूरतगढ़ सहित प्रदेश के 49 निकायों में सभापति/ अध्यक्षों का कार्यकाल पूरा हो गया। इन निकायों में पार्षदों का कार्यकाल 18 नवम्बर को पूरा हो चुका है। श्रीगंगानगर नगर परिषद सभापति गगनदीप कौर पांडे ने 24 नवम्बर को दो-तीन शिलान्यास किए।

कार्यकाल के अंतिम दिन भी वे विभिन्न कार्यों का शिलान्यास करेंगी। पांडे का कार्यकाल 22 जनवरी से 25 नवम्बर यानी 277 दिन का है। जानकारी के अनुसार प्रदेश के 49 निकायों में 19 नवम्बर 2019 को पार्षद निर्वाचित हुए थे। जबकि सभापति का चुनाव 26 नवम्बर व उप सभापति का 27 नवम्बर को हुआ था।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

बीकानेर,(कासं)। जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना इलाके में किसी वाहन ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि जयपुर रोड़ पर रात 8 बजे यह हादसा हुआ। जिसमें रिडमलसर निवासी 41 वर्षीय हनुमान कुम्हार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे राहगीरों ने पीबीएम अस्पताल पहुंचाया जहां देर रात उसने दम तोड़ दिया। व्यास कॉलोनी थाने में परिवारजन की ओर से व्यास कॉलोनी थाने में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है।

वहीं शहर के नयाशहर थाना इलाके में देर रात चोरी का एक और मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार हरोलाई हनुमान मंदिर के पास स्थित सनातन तिलक आश्रम में अज्ञात चोरों ने सेंधमारी करते हुए यहां से नगदी व लोहे के सरिये चुरा लिए हैं। आश्रम के संचालक महेश ओझा ने बताया कि वह यहां एक्यूप्रेशर पद्धति से लोगों का इलाज करते हैं। रविवार शाम को वे आश्रम पर ताला लगाकर गए थे। आज सुबह जब आए तो अलमारी से 37000 नगद और आश्रम के एक कोने में पड़े आठ और 16 एमएम के लोहे के सरिये गायब मिले।

प्रोपर्टी आई.डी. जारी करने के लिए किया पाबंद

■ बीडीओ की अध्यक्षता में हुई पंचायतों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

हनुमानगढ़, (कासं)। टाउन स्थित पंचायत समिति कार्यालय में सोमवार को विकास अधिकारी राजीव यादव की अध्यक्षता में पंचायतों की समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में सहायक विकास अधिकारी हरीराम, प्रशिक्षु रवि कुमार व ग्राम विकास अधिकारी शामिल रहे। बैठक में ग्राम पंचायतों की सभी योजनाओं पर व्यापक रूप से चर्चा कर बीडीओ ने ग्राम विकास अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिन-जिन योजनाओं में पंचायतों के कार्य पीछे हैं। उन्हें सुधारने के लिए बीडीओ ने निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य रूप से स्वामित्व योजना पर चर्चा की गई। जिन-जिन पंचायतों में स्वामित्व योजना के तहत मैप-1 और मैप-2 आ चुके हैं। उनकी प्रोपर्टी आईडी जारी करने के लिए बीडीओ ने ग्राम विकास अधिकारियों को पाबंद किया। साथ ही किए जाने वाले संशोधन के बारे में जानकारी दी। इस पर ग्राम विकास अधिकारियों ने योजनाओं में प्रगति लाने का आश्वासन दिया। बीडीओ की ओर से स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत ग्राम विकास अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए लंबित ग्राम पंचायतों को सामुदायिक शौचालयों के कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए दिशा-निर्देश दिए ताकि इनका भुगतान किया जा सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना पर चर्चा में पांच-छह आवासों के मस्टरोल जारी नहीं होने की बात सामने आई। ग्राम विकास अधिकारियों ने बताया कि शेष स्वीकृत आवासों के कार्य शुरू हो चुके हैं। उन्हें प्रथम किश्त की राशि मिल चुकी है। करीब 100 आवासों की द्वितीय किश्त की राशि पंचायत समिति की ओर से जारी की चुकी है। बीडीओ ने स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास में शौचालय विहीन 388 परिवारों को स्वीकृत शौचालय की 12-12 हजार रुपए की राशि जारी करने के निर्देश ग्राम विकास अधिकारियों को दिए।

जलभराव से निजात, 145 केवी के जनरेटर लगाए

श्रीगंगानगर,(कासं)। पुरानी आबादी क्षेत्र के लोगों के लिए खास रहा। नगर परिषद ने वार्ड 22 स्थित ट्रक यूनियन पुलिया व वार्ड 11 स्थित साबुन फैक्ट्री गड्ढे पर दो नए जनरेटर स्थापित किए हैं।

दोनों जनरेटर क्रमशः 62.5-82.5 केवीए क्षमता के हैं। यानी इन जनरेटरों से जरूरत के समय अतिरिक्त मोटरें भी लगाई जा सकती हैं। नगर परिषद सभापति गगनदीप कौर पांडे ने काम का शिलान्यास करते हुए कहा कि पुरानी आबादी क्षेत्र के लोगों के लिए जलभराव सबसे प्रमुख समस्या रही है। नगर परिषद ने इलाकेवासियों की परेशानी को समझते हुए पिछले दिनों ट्रक यूनियन पुलिया के पास पंप हाउस बनाया गया था। लेकिन इस दौरान एक बात यह सामने आई कि नगर परिषद के पास स्थायी जनरेटर नहीं होने से किराए पर व्यवस्था करना बेहद मंहगा साबित हो रहा था। दूसरा बारिश के बाद ही जनरेटर की व्यवस्था हो पाती थी। इस पर तय हुआ कि ट्रक यूनियन पुलिया, साबुन फैक्ट्री व शीतला माता मंदिर के पास स्थित गड्ढे पर स्थायी तौर पर जनरेटर की व्यवस्था की जाए। परिषद द्वारा टेंडर और वर्क आर्डर किए गए। दो जनरेटर करीब 40 लाख कीमत के उक्त दोनों जगहों पर स्थापित कर दिए गए हैं। शीतला माता गड्ढे के लिए जनरेटर आ चुका है। संभवतया इसे सोमवार को लगा दिया जायेगा।

दूषित पेयजल से लोग परेशान

श्रीगंगानगर, (कासं)। शहर के वार्ड 39 में एल ब्लॉक हनुमान मंदिर वाली गली में रह रहे लोग दूषित पेयजल से परेशान हैं। बीते 3 साल से वार्ड के करीब 250 घर मटमैले व बदबूदार पानी की वजह से अन्यत्र से पानी लाने को मजबूर हैं।

जयनारायण सारस्वत का कहना है कि 21 नवम्बर को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई और जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक में भी उक्त परेशानी लेकर गए थे। जिस पर कलेक्टर ने जल्द से जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। ऐसे ही आश्वासन पूर्व में कई बार मिल चुके हैं। लेकिन समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है।

पंजाब से बीकानेर कैनाल में नहीं मिल रहा पूरा पानी

■ किसानों में आक्रोश, आज बैठक कर लेंगे आंदोलन का निर्णय

श्रीगंगानगर, (कासं)। पंजाब से बीकानेर कैनाल में हिस्से का पूरा पानी नहीं मिल रहा है।

बीकानेर कैनाल में इस माह प्रदेश के पानी का हिस्सा 1800 क्यूसेक है, लेकिन राजस्थान बॉर्डर के खखां हैड पर 1400 से 1500 क्यूसेक पानी ही मिल पा रहा है। पूरा पानी नहीं मिलने से गंगनहर से जुड़ी वितरिकाओं में पानी का प्रवाह प्रभावित हो रहा है तथा किसानों की लगातार दो-दो सिंचाई बारियां खाली जा रही हैं। इससे किसानों में आक्रोश है।

किसान नेताओं ने जिला मुख्यालय स्थित गुरूद्धारा सिंहसभा में किसानों के साथ बैठक कर आंदोलन का निर्णय लेने का ऐलान किया है। पंजाब में आरडी 45 से बीकानेर कैनाल में 1800 क्यूसेक पानी प्रवाहित किया जा रहा है। राजस्थान बॉर्डर के खखां हैड पर गंगनहर में 1500 क्यूसेक ही पानी की आवक हो रही थी। जबकि इस माह प्रदेश के पानी का हिस्सा 1800 क्यूसेक है। पूरा सिंचाई पानी नहीं मिलने के कारण जैड, आरबी, वाई, फार्म, नेतेवाला, हिरनावाली, ईईए, बाइफरकेशन, एमके, डी साधुवाली, रिड़मलसर, एफ व एचएच वितरिकाओं में किसानों की लगातार दूसरी सिंचाई बारी खाली जा रही है। इससे किसानों में आक्रोश है। किसान नेताओं ने बताया कि पंजाब से पूरा पानी नहीं मिलने से किसानों की सिंचाई बारियां पिट रही हैं।

मुनि सुव्रत स्वामी जिनालय में भक्ति गीतों के साथ प्रतिष्ठा विधान व स्नात्र पूजा

मुनि सुव्रत स्वामी जिनालय में पूजा व अभिषेक में सुश्रावक पुरखचंद, धनराज, मुख्य लाभार्थी अभय-साधना डागा, उद्योगपति गणेश बोथरा सहित अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने भागीदारी निभाई।

■ भगवान मुनि सुव्रत स्वामी के साथ दो तीर्थंकरों की प्राचीन प्रतिमाओं को मूल गर्भगृह में स्थापित किया

बीकानेर, (कासं)। जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरिश्वर महाराज आदि ठाणा व साध्वीश्री विजय प्रभा व प्रभंजनी आदि ठाणा नाल गांव में मुनि सुव्रत स्वामी के प्राचीन मंदिर में आयोजित चार दिवसीय प्रतिष्ठा महा महोत्सव में सोमवार को स्नात्र पूजा, प्रतिष्ठा विधान, शांति स्नात्र पूजा भक्ति गीतों के साथ हुआ।

जैन श्वेताम्बर ओसवाल श्रीसंघ खरतरगच्छ ट्रस्ट के अध्यक्ष रतन लाल नाहटा ने बताया कि प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत मंगलवार को सुबह सवा छह बजे द्वारो उद्घाटन, सुबह पौने नौ बजे सतर भेदी पूजा के बाद चार दिवसीय प्रतिष्ठा महा महोत्सव संपन्न होगा। पूजा व अभिषेक में सुश्रावक पुरखचंद, धनराज, दीपचंद डागा, वीरमती देवी पत्नी स्व. भंवर लाल डागा परिवार के सदस्यों, मुख्य लाभार्थी अभय-साधना डागा, आदित्य व युवराज डागा परिवार के साथ पवन पारख, मनोज सेठिया व उद्योगपति गणेश बोथरा, रतन लाल नाहटा सहित अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने भागीदारी निभाई।

जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरिश्वर व बीकानेर की साध्वीश्री प्रभंजना श्रीजी का शॉल ओढ़ाकर डागा परिवार ने अभिनंदन किया। डागा परिवार की ओर से मंदिर का निर्माण करने वाले अहमदाबाद के वास्तुशास्त्री पुरोहित कमलेश भाई सोमपुरा, धौलपुर के चलवा रमाकांत का तथा लाभार्थी डागा परिवार का गणेश बोथरा परिवार व उनके रिश्तेदारों की ओर से अभिनंदन किया गया। जैनधर्म के 20 वें तीर्थंकर भगवान मुनि सुव्रत स्वामी के साथ दो तीर्थंकरों की प्राचीन प्रतिमाओं को मूल गर्भगृह में तथा दादा गुरूदेव जिनदत्त सूरि व देवचन्द्र महाराज और मंदिर के बाहर परिक्रमा में तीन दर्शनीय प्रतिमाओं, तोरण की स्थापना की गई। आचार्यश्री जिन पीयूष सागर सूरिश्वर के साथ विधिकारक मनोज कुमार बाबूमल हरण व उनकी टीम ने भक्ति गीत व मंत्रोच्चारण किया। भक्ति गीतों की प्रस्तुतियों के समय श्रावक-श्राविकाओं ने नाचते हुए मंगल भावना के साथ अक्षत वर्षा की।

विद्यार्थियों को साइबर धोखाधड़ी से बचने की जानकारी दी

पुलिस टीम के शिवकुमार शर्मा ने जागरूकता वर्कशॉप में विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने की जानकारी दी।

बीकानेर, (कासं)। पिछले कुछ महीनों से देशभर में बड़ी संख्या में विभिन्न तरीकों से साइबर धोखाधड़ी की जा रही है। इससे निपटने के लिए पुलिस मुख्यालय साइबर क्राइम राजस्थान द्वारा चलाये जा रहे साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत आज जीसस एंड मेरी सीनियर सैकण्डरी स्कूल में किया।

इस कार्यक्रम में शाला के विद्यार्थियों के साथ साथ अभिभावकों ने भी पूर्ण रूप से अपनी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही संजू रानी ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के बारे में बताया और उन्होंने इसका साइबर अपराध में किस प्रकार प्रयोग हो सकता है इसकी जानकारी दी। साथ ही पॉक्सो एक्ट के अधीन होने वाले प्रकरणों की जानकारी साझा करते हुए ऑनलाइन मित्रता से बचने की सलाह दी। जयपाल सियाग ने भी मोबाइल खो जाने पर उसकी जानकारी कैसे दें, क्या कार्यवाही करनी चाहिए, किसको सूचना देनी चाहिए इसकी जानकारी दी।

कार्यक्रम प्रोग्रामर साइबर थाना पुलिस टीम के शिव कुमार शर्मा ने पी.पी.टी. तथा अपने विस्तृत अनुभव से बताया कि किस प्रकार आज के समय में लोग साइबर क्राइम की चपेट में आ रहे हैं।

इससे बचने के लिए किस प्रकार की सुरक्षा के माध्यम से हमें पासवर्ड का प्रयोग कर अनजान लोगों ओर फोन कॉल, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे सोशल एक्टिविटी से बचना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि हम 1930 पर कॉल करके भी किसी भी तरह की साइबर क्राइम की रिपोर्ट बता कर बच सकते है, ओर वेबसाइट के माध्यम से भी किस प्रकार साइबर सुरक्षा से बचाव हो सकता है कि जानकारी साझा की।

बुमराह काफी खतरनाक गेंदबाज हैं, पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज ने इसके पीछे का एक अहम कारण भी बताया। वसीम अकरम ने बताया कि क्यों बुमराह उनसे और ब्रेट ली जैसे गेंदबाजों से ज्यादा खतरनाक हैं। - **वसीम अकरम**

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर, भारत के जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मैक्डोनाल्ड

शुरुआती दो दिन में पिच के बर्ताव के अंतर के सवाल पर कंगारू हेड मैक्डोनाल्ड ने कहा, दोनों देशों के गेंदबाजों ने शुरुआती दो दिन बहुत ही शानदार काम किया। और उनके बल्लेबाजों को दूसरी पारी में सिर्फ बुमराह के खिलाफ ही नहीं, बल्कि बाकी भारतीय सीमरों से निपटने के तरीकों पर काम करना है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि दोनों ही टीमों के लिए मुश्किल थी। हमारे गेंदबाजों ने असाधारण गेंदबाजी की। ऐसे में शुक्रवार का दिन बैटिंग के लिए मुश्किल दिन था, लेकिन दूसरी पारी में यह तोड़ा अलग दिखाई पड़ता है।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने 1930 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान डॉन ब्रेडमैन द्वारा एक अखबार में लेक लिखने पर 50 पौंड का जुर्माना लगाया था।

आईपीएल नीलामी के दूसरे दिन भुवनेश्वर सबसे महंगे बिके

जेद्दा, 25 नवंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सत्र के लिए नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने 10.75 करोड़ रूपये की सबसे बड़ी बोली लगाकर खरीदा। भुवनेश्वर को खरीदने के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एचएसजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच कड़ी स्पर्धा रही। आखिरी क्षणों आरसीबी ने दिन की सबसे बड़ी बोली लगाकर उन्हें अपने पक्ष में किया। दीपक चाहर को मुंबई इंडियंस में 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं तुषार देशपांडे को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से 6.50 करोड़ रुपये खरीदा। ऑलराउंडर मार्को जेनसन को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने सात करोड़ रुपये में खरीदा। जबकि बड़ौदा के क्रुणाल पांड्या को आरसीबी ने 5.75 करोड़ रुपये में खरीदा। रणजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले हरियाणा के अंशुल कंबोज को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 3.40 करोड़ रुपये में खरीदा। गुजरात टाइटन्स (जीटी) ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी को 2.40 करोड़ रुपये में हासिल किया। वहीं केन विलियमसन, अजिंक्य रहाणे और ग्लेन फिलिप्स सहित कई बड़े नाम कैप्ड खिलाड़ियों को खरीदार नहीं मिला। पिछले सीजन में रिकॉर्ड कीमत हासिल करने वाले इंग्लैंड के सैम कुरेन 2.40 करोड़ रुपये में सीएसके में वापस आ गए।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने मिजोरम को हराया

जयपुर, 25 नवम्बर। राष्ट्रिय सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के आज राजकोट में खेले गए राजस्थान-मिजोरम मैच में राजस्थान ने सलामी बल्लेबाज भारत शर्मा के आतिशी अर्धशतक व दीपक हुड्डा के ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी की सहायता से राजस्थान ने मजोरम को 62 रनो के विशाल अंतर से हराया। राजस्थान की जीत में भारत शर्मा, दीपक हुड्डा का शानदार प्रदर्शन। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम के सलामी बल्लेबाज भारत शर्मा भारत शर्मा ने 47 गेंदों पर 4 छक्कों व 7 चौकों की सहायता से 74 रनो की आतिशी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को शानदार शुरुआत दिलाई । विकेट कीपर बल्लेबाज भारत शर्मा ने दीपक हुड्डा के साथ दूसरे विकेट के लिए 127 रनो के साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत किया। दीपक हुड्डा ने 33 गेंदों पर 6 छक्के व 2 चौक्कों की सहायता से 65 रनो की अर्धशतकीय पारी खेली। कप्तान महिपाल लोमरोर ने 9 गेंदों पर 3 छक्कों के सहायता से 23 रन, युवा अंडर 19 प्रतिभाशाली बल्लेबाज कार्तिक शर्मा ने 8 गेंदों पर 2 छक्के व 1 चोक्के के सहायता से 19 रनो का योगदान देते हुए टीम के स्कोर को 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 217 रनो तक पहुँचाया। टीम के लिए भारत शर्मा 74, दीपक हुड्डा 65, महिपाल लोमरोर 23, अभिजीत तोमर 22 व कार्तिक शर्मा 19 रनो का योगदान दिया। मिजोरम पारी 155/5 (20 ओवर), राजस्थान के गेंदबाज कमलेश नागरकोठी 23/2, दीपक हुड्डा 24/1 व राहुल चाहर 32/1 विकेट प्राप्त करते हुए प्रतियोगिता में राजस्थान को लगातार दुसरी जीत दिलाई।

बिहार के विरुद्ध मैच हेतु राजस्थान 19 कूच बिहार ट्रॉफी टीम घोषित

जयपुर, 25 नवम्बर। आगामी 28 नवम्बर से पटना में खेले जाने वाली राष्ट्रिय अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच (मल्टी डेज) में बिहार के विरुद मैच हेतु राजस्थान अंडर 19 टीम घोषित तोषित भाटिया (कप्तान)। मैच दिनांक 28 नवम्बर से 1 दिसंबर को पटना में बिहार के विरुद खेला जायेगा। राजस्थान अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी टीम :- यश यादव, तनय थवानी, निर्मल बिश्नोई, सचिन शर्मा, ध्रुव सेठी, जतिन सैनी, गुलाब सिंह, तोषित भाटिया (कप्तान), विश्वजीत सिंह भाटी, आकाश मुंडेल, चंद्रपाल, पार्थ यादव, मो अनस, आभाष श्रीमाली, मोहित भगतानी, देवेंद्र सिंह तंवर, मनय कटारिया।

भारतीय क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराया

पर्थ, 25 नवम्बर। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में 295 रन से हरा दिया है। टीम ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा मुकाबला 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारतीय क्रिकेट टीम ने लंबे समय के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रच दिया है।

भारतीय क्रिकेट टीम ने जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में ऐसा कारनामा कर दिखाया है जो रोहित शर्मा भी हासिल नहीं कर सके थे। भारतीय टीम ने 25 नवंबर (सोमवार) को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 (बीजीटी) के पहले मैच में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम को ये जीत 295 रनों से मिली है। ऑस्ट्रेलिया को 534 रनों के लक्ष्य का पीछा करना था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने चौथी पारी में पहली पारी की तुलना में अधिक मजबूत वापसी की। हालांकि भारतीय टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की अगुवाई में भारत के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर दी और अंततः उन्हें 238 रनों पर समेट दिया। इस जीत के साथ भारत अब पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे चल रहा है।

गौरतलब है कि इस मैच के दौरान भारतीय टीम की एक अविश्वसनीय ऑलराउंड परफॉर्मेंस देखने को मिली है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों ने महत्वपूर्ण मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में मात्र 150 रन पर आउट होने के बाद, बुमराह के पांच विकेट की अगुआई में भारत के गेंदबाजी आक्रमण ने ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर ढेर कर दिया और 46 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

दूसरी पारी में भारत ने मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया क्योंकि उन्होंने बल्ले से मैच में अपना दबदबा बनाया। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 161 रनों की धमाकेदार पारी खेली और अनुभवी विराट कोहली ने फॉर्म में वापसी करते हुए इस साल का अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा, उन्होंने 143 गेंदों पर 100 रन बनाए। जायसवाल और कोहली की मदद से भारत ने 487-6 रन बनाकर पारी घोषित की और ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का लक्ष्य रखा।

चौथी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी की तुलना में बेहतर वापसी की। ट्रैविस हेड ने आक्रामक बल्लेबाजी की और 89 रन बनाए तथा मिशेल मार्श ने 47 रन की पारी खेली। एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए आखिरी विकेट लिया और मेजबान टीम 238 रन पर ढेर हो गई तथा 295 रन से हार गई।

टीम इंडिया की यह जीत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आई है, क्योंकि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। श्रृंखला में हार के बाद क्रिकेट जगत और मीडिया दोनों ने भारतीय टीम और नए प्रबंधन, जिसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर भी शामिल हैं, की कड़ी आलोचना की। यह जीत भारत की ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी जीत भी है और वह पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली पहली टीम बन गई।

पांच भारतीय खिलाड़ियों के पराक्रम के सामने नतमस्तक हुई ऑस्ट्रेलियाई टीम

नई दिल्ली, 25 नवंबर। भारत के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर्थ टेस्ट में शतक लगाने वाले 5वें भारतीय बल्लेबाज बन गए है। यशस्वी का नाम सचिन और विराट जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए है। यशस्वी से पहले भारत के लिए पर्थ में टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में सुनील गावस्कर, मोहिंदर अमरनाथ, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और अब यशस्वी का नाम जुड़ गया है।

सत्तर के दशक से अब तक पर्थ के मैदान पर रन बनाना कभी आसान नहीं रहा . दुनिया के बड़े से बड़े बल्लेबाज के ज़ेहन में पर्थ की यादें हमेशा ताज़ा रहती है। पहले वाका और अब ऑप्टस स्टेडियम दोनों जगह ही तेज गेंदबाज़ों के लिए स्वर्ग मानी जाती रही है। इन मैदानों की पिचों पर उछाल और गर्मी में खुलती दरारें बल्लेबाज़ी के लिए बुरे सपने की तरह होती है। ऐसे में यहाँ कोई बल्लेबाज़ शतक लगा दे तो उस पारी की अहमियत का अंदाज़ा आप लगा सकते है।

यशस्वी जायसवाल के पर्थ में लगाए गए शतक के पहले सिर्फ़ चार भारतीय बल्लेबाज़ पर्थ में शतक लगाने में कामयाब रहे। यशस्वी ने पर्थ में 161रन बनाए जो किसी भी भारतीय ओपनर के द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। जायसवाल से पहले जिन -जिन भारतीय बल्लेबाजों ने पर्थ में शतक लगाया उन्होंने आगें चल कर बहुत नाम किया और उनका नाम दुनिया के बड़े बल्लेबाजों में शुमार किया जाने लगा।

1977 के पर्थ टेस्ट मैच जिसमें मोहंदर अमरनाथ ने शतक लगाया उसी मैच में सुनील गावस्कर ने भी बड़ी पारी खेली थी. पहली पारी में लिटिल मास्टर जल्दी आउट हो गए जिसकी भरपाई उन्होने दूसरी पारी नें की। 127 रनों की पारी के दौरान गावस्कर ने मोहिंदर अमरनाथ के साथ 193 रनों साझेदारी भी की।

गावस्कर ने अपनी पारी के दौरान 245 गेंद खेली और 127 रन बनाए। 1992 के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर सचिन महज 19 साल के थे और सचिन तेंदुलकर ने पर्थ में हर किसी को हैरान कर देने वाले कई स्ट्रोक लगाए. कट शॉट, पुल और स्ट्रेट ड्राइव का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए सचिन तेंदुलकर ने 114 रन बनाए जिसमें 16 चौके शामिल थे।

गिलक्रिस्ट ने भारत के खिलाफ नकारात्मक रणनीति के लिए ऑस्ट्रेलिया की आलोचना

ऑस्ट्रेलिया, 25 नवम्बर। महान विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने रविवार को पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारत के खिलाफ नकारात्मक रणनीति अपनाने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की आलोचना की। यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शतकों के बाद भारत ने दूसरी पारी छह विकेट पर 487 रन पर घोषित कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 534 रन का असंभव लक्ष्य दिया।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य गेंदबाज पूरी तरह से अप्रभावी रहे और कप्तान पैट कमिंस का भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने के लिए मार्नस लाबुशेन पर निर्भर रहने का फैसला आलोचनाओं के घेरे में आ गया। गिलक्रिस्ट और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन दोनों ने ही लाबुशेन की नकारात्मक रणनीति पर चिंता व्यक्त की। गिलक्रिस्ट ने सवाल करते हुए, ''क्या आपने कभी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों की इतनी निराश टीम को ऐसी रणनीति अपनाते देखा है? नियमों की किताब के अनुसार नकारात्मक रणनीति क्या होती है? '' इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम द्वारा ऐसा दृष्टिकोण कभी नहीं देखा। वॉन ने 'फॉक्स क्रिकेट' पर कहा, ''मैंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस तरह कभी नहीं देखा है। '' खेल प्रेमियों ने भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के प्रदर्शन और उनकी रणनीति पर सोशल मीडिया में निराशा व्यक्त की।

रामबाग गोल्फ क्लब के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन

जयपुर, 25 नवम्बर। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब, के खिलाड़ियों ने हाल ही में आयोजित दो प्रोफेशनल राष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट्स में बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद के बौल्डर हिल्स गोल्फ और कंट्री क्लब में हाल ही में आयोजित हीरो विमेंस प्रो गोल्फ टूर्नामेंट 2024 में रामबाग गोल्फ क्लब की खुशी खानिजाऊ ने 3 दिनों में कुल 5 ओवर पार का स्कोर दर्ज करते हुए 11वें स्थान पर अपनी स्थिति बनाई। खुशी ने चौथे और चौदवें

होल्स पर बर्डी बनाकर अपनी बेहतरीन तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। वहीं, इससे पूर्व ही रामबाग गोल्फ क्लब के अन्य पेशेवर खिलाड़ी प्रखर असावा ने राष्ट्रीय स्तर पर इंडियन ऑयल सर्वो मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट 2024 में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 21वां स्थान हासिल किया था।

इस टूर्नामेंट का आयोजन असम के डिगबोई गोल्फ लिंक्स में पीजीटीआई (प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया) द्वारा किया गया था। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रामबाग गोल्फ क्लब के कैप्टन योगेंद्र सिंह एवं मानद सचिव, समृद्ध शर्मा ने दोनों खिलाड़ियों की सफलता पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का समर्पण, मेहनत और खेल के प्रति जुनून न केवल उन्हें व्यक्तिगत सफलता दिला रहा है, बल्कि क्लब की मजबूत प्रशिक्षण और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। हमें आशा है कि आने वाले समय में ये खिलाड़ी और भी ऊंचाइयों को छुएंगे और गोल्फ के क्षेत्र में अपनी पहचान और मजबूत करेंगे।''

राजस्थान के पूर्व रणजी क्रिकेटर भानुप्रताप सिंह का निधन

जयपुर, 25 नवम्बर। राजस्थान के पूर्व रणजी क्रिकेटर विजय भानुप्रताप सिंह का सोमवार को बैंगलोर में निधन हो गया। बांसवाड़ा राजपरिवार के भानुप्रताप सिंह को क्रिकेट विरासत में मिली। वह पूर्व टेस्ट क्रिकेटर हनुमंत सिंह और पूर्व रणजी खिलाड़ी सूर्यवीर सिंह के छोटे भाई थे भानुप्रताप ने

अपने रणजी ट्रॉफी करियर की शुरुआत 1976-77 में इन्दौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ की और आखिरी मैच 1983 के सत्र में खेला। अपने करीब सात साल के रणजी करियर में भानुप्रताप ने राजस्थान के लिए 11 प्रथमश्रेणी मैच खेले और 199 रन बनाने के साथ ही 18 विकेट लिए। भानुप्रताप सिंह के पारिवारिक मित्र और उनके साथ रणजी ट्रॉफी में खेले जयपुर के महेश शर्मा ने बताया कि 72 वर्षीय भानुप्रताप का कल देर रात दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को बैंगलोर में किया जाएगा। डेली कॉलेज इन्दौर में पढ़े भानुप्रताप ने क्रिकेट की शुरुआत मध्य प्रदेश में की लेकिन रणजी ट्रॉफी में वे राजस्थान के लिए खेले। लम्बे कद के तेज गेंदबाज भानुप्रताप जयपुर की घरेलू क्रिकेट में जयपुर ब्लूज क्रिकेट क्लब और रिजर्व बैंक की ओर से खेली। भानुप्रताप जयपुर में रिजर्व बैंक में नियुक्त हुए। बैंक की नौकरी के बाद वे लम्बे समय तक डेली कालेज इन्दौर के डायरेक्टर स्पोर्ट्स के पद पर रहे। नोयडा में जेपी एकेडमी की स्थापना के समय वे एकेडमी के डायरेक्टर बने। खेल से रिटायर होने के बाद उनका कोचिंग में रुझान रहा। वे मध्य प्रदेश की जूनियर क्रिकेट टीम से भी जुड़े रहे। भानुप्रताप के साथ क्रिकेट खेले राजस्थान के पूर्व रणजी क्रिकेटर कमलाकर शर्मा, महेश शर्मा, शरद जोशी, डा. बीआर सोनी, विनोद माथुर, रौनी शरमन, आरिफ उल्ला खान और कुलदीप मिश्रा ने भानुप्रताप के आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त किया।

राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी और अवलोकित सिंह ने जीते गोल्ड

जयपुर, 25 नवंबर। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी सिंह और अवलोकित सिंह ने रविवार को मुम्बई में संपन्न जेएसडब्ल्यू 10वें सुनील वर्मा मेमोरियल स्क्वैश टूर्नामेंट में राजस्थान के लिए स्वर्ण पदक जीते। राजस्थान स्पोर्ट्स एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा के अनुसार दिव्यांश जैन ने लड़कियों के अंडर-13 वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र की शनाया परसरामपुरिया को पांच सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 11-3, 6-11, 11-4, 9-11, 11-2 से पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

दिव्यांश ने इससे पहले सेमी फाइनल में महाराष्ट्र की ही शनाया रॉय को 11-5, 11-4, 11-2 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी। लड़कों के अंडर-19 आयु वर्ग में राजस्थान के अवलोकित सिंह ने उत्तर प्रदेश के प्रियांशु कुमार को 12-10, 11-7, 6-11, 11-5 से हरा स्वर्णिम सफलता हासिल की। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता के अवलोकित ने इससे पहले सेमी फाइनल में उत्तर प्रदेश के ही अंश त्रिपाठी को 11-4, 11-1, 11-9 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी।

सिकंदराबाद में आज से शुरू होगी सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप

सिकंदराबाद, 25 नवंबर। तेलंगाना में मंगलवार से शुरु हो रही 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में देशभर की 28 टीमें स्पर्धा करेंगी। तेलंगाना में दक्षिण मध्य रेलवे खेल परिसर, आरआरसी ग्राउंड, रेल निलयम में होने वाली चैंपियनशिप में इस बार भाग ले रही 28 टीमों को आठ पूल में बांटा गया। पहले चार पूल में तीन-तीन टीमें होगी। अगले चार टीमों के पूल में चार-चार टीमें रखी गई है। चैंपियनशिप छह दिसंबर तक चलेगी। क्वार्टर फाइनल तीन दिसंबर से शुरू होगा। सेमीफाइनल 5 दिसंबर को और उसके बाद तीसरे/चौथे स्थान के लिए मैच खेला जायेगा और छह दिसंबर को फाइनल होगा। पूल ए में दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, हरियाणा और मणिपुर शामिल हैं। पूल बी में छत्तीसगढ़, झारखंड और तेलंगाना हैं, जबकि पूल सी में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, हिमाचल और यूनिट ऑफ तमिलनाडु शामिल हैं। पूल डी में राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। अगले चार पूल में चार-चार टीमें हैं।

बुमराह ने विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल की सराहना की

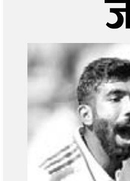

पर्थ, 25 नवंबर। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह ने विराट कोहली की फॉर्म को लेकर चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि कुछ बाहरी आलोचनाओं के बावजूद स्टार बल्लेबाज शानदार फॉर्म में है। इसके साथ उन्होंने यशस्वी जयसवाल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी के लिए भी सराहना की। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में बुमराह ने कहा कि इस जीत से मैं बहुत खुश हूं। पहली पारी में हम पर दबाव डाला गया, लेकिन जिस तरह से हमने जवाब दिया वह शानदार था। मैंने यहां 2018 में खेला था उस समय पिच नरम थी। इस बार पिच में कम चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन हम अच्छी तरह से तैयार थे। मैंने सभी से कहा था कि अपनी क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें। जयसवाल की यह अब तक की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी खेली। वह गेंद को बेहतरीन तरीके से छोड़ रहे थे। मैंने विराट को फॉर्म से बाहर कभी नहीं देखा है। मुश्किल पिचों पर इस तरह की चीजो को आंकना कठिन है। लेकिन नेट्स में वह अच्छे दिख रहे थे। हमें हमेशा दर्शकों का समर्थन मिलता है, और जब ऐसा समर्थन होता है तो हमें अच्छा महसूस होता है।

अर्जुन की बदौलत जयपुर ने पुनेरी पल्टन को 15 अंक से हराया

नोएडा, 25 नवंबर। रेड मशीन का खिताब पा चुके अर्जुन देसवाल (16 अंक) के एक और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर जयपुर पिंक पैंथर्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में सोमवार को रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 75वें मैच में पुनेरी पल्टन को 37-23 के स्कोर से हराकर लगातार दो मैचों से चली आ रही हार का सिलसिला तोड़ दिया।

जयपुर को 13वें मैच में सातवीं जीत मिली है। अर्जुन के अलावा नीरज नरवाल (5) और डिफेंस से रेजा मीरबघेरी (4) तथा अंकुश राठी (4) ने सराहनीय खेल दिखाया। पल्टन के लिए पंकज मोहिते और मोहित गोयत सात-सात अंक ले सके। पल्टन के रेडरों ने तो अच्छा खेल दिखाया लेकिन डिफेंडरों ने निराश किया। पल्टन को 13 मैचों में चौथी हार मिली। शुरुआती 10 मिनट में दोनों टीमें 6-6 की बराबरी पर रहीं। पल्टन के लिए पंकज मोहिते और मोहित गोयत ने चमक दिखाई जबकि जयपुर के लिए नीरज नरवाल ने तीन अंक के साथ अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। ब्रेक के बाद हालांकि पंकज ने सुरजीत को गच्चा दे पल्टन को 7-6 से आगे कर दिया लेकिन नीरज ने पंकज का शिकार कर हिसाब बराबर किया। इस बीच अर्जुन ने चार के डिफेंस में नादराजन को आउट कर पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। इसके बाद मैच की पहली डू ओर डाई रेड की बारी आई, जिसमें अजीत ने दो अंक लेते हुए पल्टन को आगे कर दिया। हालांकि अर्जुन ने फिर स्कोर बराबर कर दिया। पल्टन के लिए अभी भी सुपर टैकल आन था।

पल्टन इस स्थिति का फायदा नहीं उठा सके और 16वें मिनट में आलआउट हो गए। जयपुर को 14-10 की लीड मिल चुकी थी। आलइन के बाद जयपुर ने एक के मुकाबले पांच अंक लेकर फासला 8 का कर लिया। पंकज और डिफेंडर मोहित का शिकार हो चुका था। इस तरह जयपुर ने 19-11 स्कोर के साथ पाला बदला। हाफटाइम के बाद अर्जुन ने मोहित का शिकार कर पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। इसके बाद अर्जुन ने ही एक ही रेड में तीनों डिफेंडर्स को आउट कर पल्टन को दूसरी बार आलआउट कर दिया।

उदयपुर में जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

उदयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के तत्वावधान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता-2024 का शुभारंभ सोमवार को महाराणा प्रताप खेलगांव उदयपुर में हुआ। प्रतियोगिता में जनजाति उपयोजना क्षेत्र के सात जिलों से 1300 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह खेलगांव स्थित स्टेडियम में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, अतिरिक्त आयुक्त (टीएडी) गितेशश्री मालवीया, आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ओपी मीणा, समाजसेवी प्रमोद सागर तथा रविन्द्र श्रीमाली, राज्य जनजाति खेल अधिकारी नरेंद्र भूरिया के आतिथ्य में हुआ। प्रारंभ में जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल ने अतिथियों का उपरणा एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। राज्य जनजाति खेल अधिकारी श्री भूरिया ने स्वागत उद्बोधन देते हुए राज्य सरकार की ओर से खिलाड़ियों को प्रदत्त सुविधाओं तथा खेल योजनाओं की जानकारी देते हुए उससे लाभान्वित होने का आ ान किया।

राष्ट्रीय वीमेन अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुर, 25 नवम्बर। पुणे में खेली जा रही राष्ट्रीय अंडर 15 एक दिवसीय ट्रॉफी मैच में राजस्थान-मुंबई के मध्य खेले गए मैच का स्कोर :- टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम ने गौरवी खंगारोत 26, रोचले यादव 23, दीक्षा चौधरी 22 व सरिता 19 रनो की सहायता से टीम को 127 रनो के स्कोर तक पहुँचाया। मुंबई पारी 128/1, राजस्थान की गेंदबाज धृति माथुर 30/1 विकेट प्राप्त किये।

यूनाइटेड भारत और नेशनल यूनाइटेड की जीत

नई दिल्ली, 25 नवंबर। यूनाइटेड भारत एफसी और नेशनल यूनाइटेड एफसी ने अपने-अपने मुकाबले जीत कर डीएसए दिल्ली प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। डॉ. बी आर अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच फजल के गोल से यूनाइटेड भारत ने हिन्दुस्तान एफसी को 1-0 से हराया। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में नेशनल यूनाइटेड ने सांगोट जार्ज के गोल की बदौलत तरुण संघा पर 1-0 से जीत दर्ज की। नेशनल यूनाइटेड के राम स्वरूप को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। अंक तालिका की फिसड्डी टीमों के बीच खेले गए मुकाबले में अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों की कमजोर निशानेबाजी के कारण गोल नहीं निकल पाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। इस दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान अविचल चतुर्वेदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

'अगले माह सवा लाख बालिकाओं को साइकिल वितरित की जायेगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग के काम की समीक्षा की

- **मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सर्वे करा कर विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति करें तथा राज्य के सरकारी व निजी विद्यालयों के ड्रैस कोड में एक रूपता लाई जाये।**

जयपुर, 25 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है, क्योंकि आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए नवीन तकनीकों का उपयोग करने के साथ ही, खाली पदों पर भर्ती तथा स्कूलों में कक्षा-कक्षों का निर्माण कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हम नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाने हेतु विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चले, इस हेतु सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को लगभग साढ़े 3 करोड़ पाठ्यपुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया है तथा कक्षा 1 से 8 तक के समस्त विद्यार्थियों एवं 9 से 12 तक की बालिकाओं को स्कूल बैग भी दिए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि आगामी माह में 1 लाख 25 हजार बालिकाओं को साइकिल वितरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता को बेहतरीन करने हेतु सरकार खाली पदों पर भर्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में अब तक लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं तथा लगभग 18 हजार पदों पर पदोन्नित की गई है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की संख्या का सर्वे करवाकर, विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के ड्रेस कोड में एकरूपता लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने स्कूलों में कक्षा कक्षों तथा बालिका विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति का भौतिक सत्यापन कर आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत और नव निर्माण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में शासन सचिव स्कूल शिक्षा, कृष्ण कुणाल ने मुख्यमंत्री को स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के 1.34 करोड़ विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

इस अवसर पर, स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान, अविचल चतुर्वेदी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस्तीफा प्रकरण : धारीवाल, महेश जोशी सहित 6 को हाईकोर्ट का नोटिस

भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका में 6 नेताओं से 4 सप्ताह में जवाब मांगा

- **25 दिसम्बर 2022 को 81 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफे सौंपे। अध्यक्ष ने लम्बे समय तक इस पर निर्णय नहीं लिया। पिछली सुनवाई पर स्पीकर की ओर से जवाब आया कि इस्तीफे स्वैच्छिक नहीं थे, इसलिए अस्वीकार कर दिये। याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि किसके दबाव में इस्तीफे दिये गये।**

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में कांग्रेस के तत्कालीन 81 विधायकों द्वारा इस्तीफा देने से जुड़े मामले में, अपने और 75 विधायकों के इस्तीफे की कॉपी स्पीकर को सौंपने वाले तत्कालीन छह विधायकों, शांति धारीवाल, महेश जोशी, रफीक खान, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढ़ा को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

अदालत ने इन तत्कालीन विधायकों से 4 सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है। चीफ जस्टिस, एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिकाकर्ता ने गत सुनवाई को इन तत्कालीन 6 विधायकों को पक्षकार बनाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था।

याचिका में कहा गया कि 81 विधायकों ने 25 सितंबर, 2022 को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे दिए थे। इसके बाद याचिकाकर्ता ने कई बार स्पीकर को प्रतिवेदन देकर इस्तीफों पर निर्णय करने को कहा, लेकिन उन्होंने कोई निर्णय नहीं किया। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को कहा गया कि इस्तीफा देने के बाद इन 81 विधायकों ने वेतन भत्तों के तौर पर करीब 18 करोड़ रुपए प्राप्त किए हैं। ऐसे में इस बिन्दु पर उचित आदेश दिए जाएं। इसके अलावा स्पीकर के समक्ष लंबित इस्तीफों के संबंध में निर्णय करने की अधिकतम समय सीमा तय की जाए।

अधिवक्ता हेमन्त नाहटा ने बताया कि इन छह तत्कालीन विधायकों को इस मामले में पक्षकार बनाने के लिए यह प्रार्थना पत्र इसलिए दायर किया था, ताकि पता चल सके कि कांग्रेस के 81 विधायकों ने किसके दबाव में विधानसभा स्पीकर को इस्तीफे सौंपे थे।

दरअसल इस मामले में पिछली सुनवाई पर मौजूदा स्पीकर का जवाब आया था, जिसमें कहा गया था कि इस्तीफों को स्पीकर ने यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि विधायकों ने अपने इस्तीफे स्वैच्छिक नहीं दिए थे और कई विधायकों ने अपने इस्तीफे, व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होकर, नहीं देने की बात की थी।

झारखंड की नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। इन 71 करोड़पतियों में से 28 विधायक झारखंड मुक्ति मोर्चा, (जे.एम. एम.), 20 भाजपा, 14 कांग्रेस, 4 आर.जे.डी., 2 सी.पी.आई. एम.एल. लिबरेशन और एक-एक एल. जे.पी. (राम विलास), जय (यू.) तथा ए.जे.एस.यू. के है। हाल में संपन्न हुए चुनावों में जे.एम.एम. को 34 सीटों पर विजय हासिल हुई, जबकि, कांग्रेस ने 16 सीटें जीतीं। वहीं, आर.जे.डी. ने चार और सी.पी.आई.एम.एल. लिबरेशन ने दो सीटे जीती है।

दूसरी तरफ भाजपा को 21 विधानसभा सीटों पर तथा उसकी पार्टनर एल.जे.पी. (पासवान), जय (यू) और ए.जे.एस.यू. पार्टी को एक-एक सीट पर जीत मिली। झारखंड विधानसभा 2024 में प्रति विजेता प्रत्याशी औसत संपत्ति 6.90 करोड़ है। सन् 2019 के चुनावों में यही औसत 3.82 करोड़ था।

अडानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को "आधारहीन" बताया है।

अडानी मुद्दे को लेकर हो रहे हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही भी स्थगित कर दी गई।

संभल : सपा सांसद और विधायक पुत्र के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज

संभल में बाहरी लोगों के आने पर रोक, सभी स्कूल बंद किये

- **सपा सांसद जिया उर रहमान तथा विधायक इकबाल महमूद के पुत्र सुहेल इकबाल के खिलाफ साजिश करने, दंगा भड़काने व भीड़ इकट्ठी करने के आरोप हैं।**

संभल, 25 नवंबर। जिले में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुए बवाल के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना और पुलिस की ओर से किए गए लाठीचार्ज में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद संभल में बाहरी लोगों के आने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा इलाके में स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है और पुलिस ने पूरे मामले को लेकर संभल कोतवाली में एफ.आई.आर. दर्ज की है। एफ.आई.आर. में सपा सांसद जिया उर रहमान और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल के खिलाफ साजिश का मुकदमा दर्ज किया गया है।

रविवार को जिले में हुए बवाल के बाद संभल कोतवाली में दंगे को लेकर दर्ज की गई एफ.आई.आर. में सुनियोजित साजिश, दंगा भड़काने और भीड़ इक्कठा करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के हाथ दंगा भड़काने वाले कुछ वीडियो पोस्ट भी लगे हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

संभल में हुई हिंसा मामले में अब तक सात एफ.आई.आर. दर्ज की गई हैं। इन सभी में कुल मिलाकर 2500 से अधिक लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। संभल के एस.पी. कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा, "हमारे सब-इंस्पेक्टर दीपक राठी, जो कल घायल हुए थे, उन्होंने 800 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जिया उर रहमान बर्क और सोहेल इकबाल को आरोपी बनाया गया है। उन्होंने भीड़ को उकसाया था।" उन्होंने बताया कि बर्क को पहले भी नोटिस दिया गया था, इसके बावजूद उन्होंने लोगों को भड़काया, जिस वजह से लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया था। बर्क को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संभल में बवाल के बाद कई तरह की पाबंदियां लगा दी गई हैं। इस के तहत एक दिसंबर तक बहारी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। आदेश के मुताबिक जिले में बाहरी व्यक्ति, सामाजिक संगठन और जनप्रतिनिधि के प्रवेश पर रोक है। प्रशासन ने अतिसंवेदनशील स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया है। जानकारी के मुताबिक हिंसा और पथराव के बाद हिरासत में लिए गए लोगों के घरों से हथियार बरामद हुए हैं।

'आरोप अडानी पर है, और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों, जिनमें अन्य राज्यों से आये लोग भी शामिल थे, ने भाग लिया। ये लोग अडानी के खिलाफ नारे लिखी हुई तख्तियाँ हाथों में उठाये हुये थे।

अमेरिकन प्रॉसिक्यूटर्स ने सागर अडानी पर आरोप लगाते हुये कहा कि उन्होंने कथत रूप से करोड़ों डालर की रिश्वत भारतीय अधिकारियों को दी। इन नोटों को प्रॉसिक्यूटर्स ने "रिश्वत के नोट" बताया है।

इस कथित रिश्वत-कांड पर अमेरिकन अधिकारियों का ध्यान उस समय गया, जब अडानी की कम्पनी 2021 में शुरू हुये इस लेन-देन से सम्बन्धित पैसों की उगाही अमेरिकन निवेशकों से कर रही थी।

ऐसा प्रतीत होता है कि रिश्वत के इस अभियोग की शाखें पूरी दुनिया में फैल गई हैं। ऐसी खबरें है कि कुछ बैंकर इस ग्रुप को नया उधार देना फिलहाल रोक देने पर विचार कर रहे हैं।

कीनिया ने 2.5 अरब डॉलर के अडानी इन्फ्रास्ट्रक्चर के सौदे रद्द करने के आदेश दे दिये हैं। एक अमेरिकन डवलपमेन्ट एजेंसी श्रीलंका के एक अडानी पोर्ट प्रोजेक्ट का पुनः आकलन कर रही है, जिसे वित्तीय सहयोग देने के लिये पहले सहमति दे दी गई थी।

बाँग्लादेश में, एक सरकारी पैनल ने बिजली के सौदों, जिनमें एक सौदा अडानी से भी किया गया है, की जाँच के लिये कानूनी सहायता माँगी है।

असली सवाल है कि अब अडानी पर आगे क्या होगा? उन पर विदेशी रिश्वतखोरी, सिक्यूरिटीज फ्रॉड, सिक्यूरिटी फ्रॉड षडयन्त्र तथा बायर फ्रॉड षडयन्त्र के आरोप हैं।

उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है तथा वे कहाँ है, यह ज्ञात नहीं है। हालाँकि, माना जा रहा है कि वे भारत में ही हैं।

अगर उनका प्रत्यार्पण होता है, या वे अमेरिका में सरेन्डर करते हैं, तो भी ट्रायल में काफी समय लगना है।

अगर अडानी पर अभियोग साबित हो जाता है तो उन्हें दशकों तक जेल में रहना पड़ सकता है तथा उन पर जुर्माने भी हो सकते हैं।

हालाँकि, किसी प्रकार सजा दिया जाना अन्ततः केस की सुनवाई करने वाले जज पर निर्भर है।

अमेरिकन अदालत के एक निर्देश के अनुसार, फिलहाल अडानी को अमेरिकन मार्केट्स के रेग्यूलेटर के आरोपों का जवाब 21 दिन के अन्दर देना है।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी, बिना सोचे समझे और विभिन्न समूहों व हितों को "बैलेंस" किए बिना बड़ी बेतरतीबी से नियुक्तियाँ कर रही है।

लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस की यही कहानी है। राहुल गांधी अपनी पार्टी में राजनीति को सूक्ष्म तरीके से नहीं देखते हैं और उन्होंने के.सी. वेणुगोपाल को अपनी पावर ऑफ अटॉर्नी दे रखी है।

यहाँ तक कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे भी निरीह से नज़र आते हैं, क्योंकि वे काफी समय से वेणुगोपाल और जयराम रमेश को हटाना चाहते पर कर नहीं पा रहे हैं।

15 साल राज किया, पर 15 सीटों पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लें या किसी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करें, जो स्वतंत्र एवं सक्षम हो। मल्लिकार्जुन खड़गे निश्चित रूप से इस पद को सँभाल नहीं सके हैं, और उनका कार्यकाल 2027 में समाप्त होगा, तो यह स्पष्ट है कि बैक सीट ड्राइविंग आगे न तो काम कर सकती है और न करेगी।

2019 से लेकर अब तक, कांग्रेस ने बहुत सारे चुनाव हारे हैं, लेकिन सब कुछ ठीक करने की दिशा में कोई कोशिश नहीं की गई तथा न ऐसी नई प्रतिमाओं को आगे लाया गया, जो पार्टी को ताकतवर बना सकें।

पिछले पाँच साल का रिपोर्ट कार्ड इस प्रकार है-

2019 - लोक सभा हारे,
2019 - आन्ध्र प्रदेश, सिक्किम ओडिशा, अरूणाचल प्रदेश तथा हरियाणा हारे
2020 - दिल्ली और बिहार हारे
2021 - असम, केरल तथा पश्चिम बंगाल हारे
2022 - गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा तथा मणिपुर हारे
2023 - राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ हारे
2024 - लोकसभा चुनाव, ओडिशा, आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा तथा महाराष्ट्र हारे

इन हारों के लिये क्या कोई जिम्मेदार ठहराया गया? अब तक इन पराजयों की कोई जवाबदेही तय नहीं की गई, कोई आत्म-निरीक्षण नहीं किया गया, कोई विश्लेषण नहीं किया गया।

एक हार के बाद, पार्टी दूसरी हार की ओर बढ़ जाती है।

खुली जेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाले कैदियों का भी पुनर्वास करना होगा। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने कहा कि खुली जेल को आवंटित की गई जमीन को कम नहीं किया जा रहा है। खुली जेल का कुल क्षेत्रफल 61,160 वर्ग मीटर है। इसमें से 17,800 वर्ग मीटर जमीन पर निर्माण है।

वहीं, खुली जेल के लिए राज्य सरकार द्वारा अलग से 14,940 वर्ग मीटर जमीन आवंटित करना प्रस्तावित है, जबकि 22,000 वर्ग मीटर जमीन पर ही सेटेलाइट हॉस्पिटल का निर्माण किया जाएगा।

वहीं, हॉस्पिटल निर्माण के दौरान कैदियों का पुनर्वास किया जाएगा। मौजूदा समय में खुली जेल में 410 कैदी रह रहे हैं।

दरअसल अवमानना याचिका में कहा था कि खंडपीठ ने 17 मई 2024 को आदेश जारी कर, राज्य सरकार को खुली जेल की जमीन को कम नहीं करने और छह दशक से खुली जेल के लिए काम आने वाली इस जमीन को संरक्षित करने के लिए कहा था, लेकिन जेडीए ने 30 जुलाई 2024 को इस जमीन पर सेटेलाइट हॉस्पिटल का आवंटन मंजूर कर लिया है। राज्य सरकार व जेडीए का ऐसा करना सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना है।

दो से ज्यादा संतान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि कार्मिक विभाग ने 16 मार्च, 2023 को अधिसूचना जारी कर दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को संबंधित सालों से पदोन्नत करने का प्रावधान किया था। इसके खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने गत अगस्त माह में अंतरिम आदेश जारी कर पदोन्नतियों पर रोक लगा दी थी, जबकि अंतरिम आदेश के जरिए पूरी पदोन्नति प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता। इसके अलावा, याचिकाकर्ता को पूर्व में दी गई पदोन्नति इस अधिसूचना से प्रभावित नहीं हो रही है। इसलिए पूर्व में दिए आदेश को वापस लिया जाए। इस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने पूर्व में दिए आदेश को संशोधित करते हुए तथा पदोन्नतियों पर लगी रोक को हटाते हुए उसे याचिका के निर्णयाधीन रखा है।

याचिका में कहा गया है कि राज्य सरकार ने एक जून 2002 या इसके बाद दो से ज्यादा संतान वाले सरकारी कर्मचारियों को तीन व पांच अवसरों तक पदोन्नित से वंचित रख रखा था। वहीं, कार्मिक विभाग ने 16 मार्च 2023 को एक अधिसूचना निकाल कर कहा कि किसी भी कर्मचारी को केवल ज्यादा संतान होने के चलते पदोन्नित से वंचित नहीं किया जा सकता। ऐसे में जिन कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित किया है, उन्हें उनके पदोन्नति वर्ष से ही इसका लाभ दिया जाएगा। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि पिछली तारीखों से किसी भी कर्मचारी की योग्यता के संबंध में अधिसूचना जारी नहीं की जा सकती। वहीं, इस अधिसूचना के जरिए वो कर्मचारी पदोन्नत होंगे, जिन्हें पहले अयोग्य माना जा चुका है। इस कारण याचिकाकर्ताओं की पदोन्नित भी प्रभावित होगी और वे वरिष्ठता में उनसे नीचे चले जाएगे। इसलिए 16 मार्च 2023 की अधिसूचना के आधार पर दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को पदोन्नति नहीं दी जाए।

तेलंगाना ने अडानी का 100 करोड़ का दान लौटाया

हैदराबाद, 25 नवंबर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े विवाद पर राज्य सरकार की स्थिति स्पष्ट की। रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि तेलंगाना सरकार का कथित मुद्दों से कोई संबंध नहीं है तथा अंबानी, अडानी और टाटा जैसे उद्योगपति राज्य में व्यापार करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते, वे कानूनी प्रोटोकॉल का पालन करें। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के लिए अडानी द्वारा घोषित 100 करोड़ रुपये के दान को अस्वीकार करने का निर्णय लिया है।

केजरीवाल दिल्ली में 80 हजार नये बुजुर्गों को पेंशन देंगे

- **दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल की घोषणा को चतुर राजनीतिक कदम माना जा रहा है।**
- **केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब वे जेल में गये तब बुजुर्गों की पेंशन रोक दी गयी थी। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने फिर से पेंशन शुरू करवायी है।**

नई दिल्ली, 25 नवंबर। दिल्ली में अब से कुछ ही समय बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा दांव खेलते हुए दिल्ली के बुजुर्गों के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। केजरीवाल ने बताया है कि दिल्ली में 80 हजार नए बुजुर्गों को पेंशन की सौगात मिलेगी। उन्होंने कहा, दिल्ली में अब सब रूके हुए काम फिर से शुरू कराएँगे।

अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुजुर्गों के लिए यह बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा, सरकार 80 हजार नए बुजुर्गों को पेंशन देने जा रही है, दिल्ली में अब 5 लाख 30 हजार बुजुर्गों को पेंशन मिलेगी।

अरविंद केजरीवाल ने बताया है कि अभी 60 से 69 साल के बुजुर्गों को 2 हजार रुपये महीना दिया जाता है। इसके अलावा 70 वर्ष से ज्यादा के बुजुर्गों को 2500 रुपए महीना दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस फैसले को कैबिनेट ने भी पास कर दिया है, ये लागू भी हो गया है और पेंशन के लिए 10 हजार नए एप्लिकेशन भी आ गए हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, "जहां डबल इंजन की सरकार है वहां पर बुजुर्गों को कम पेंशन मिलती है, और यहां सिंगल इंजन की सरकार है तो यहां 2500 पेंशन मिलती है। इसलिए डबल इंजन को नहीं सिंगल इंजन की सरकार ही चुनिए।" केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब वह जेल गए तो बुजुर्गों की पेंशन रोक दी गई यह पाप है। केजरीवाल ने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने फिर से पेंशन को शुरू करवाया है।

नीट यूजी : स्ट्रे वेकैन्सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता रघुनंदन शर्मा ने कहा कि 11वीं कक्षा के प्रमाण पत्र में बायोलॉजी विषय का उल्लेख नहीं होने पर स्ट्रे वैकेंसी राउंड में सीट आवंटन नहीं करने पर एकलपीठ में याचिका पेश हुई थी। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने गत दिनों अपीलार्थियों के सीट आवंटन को निरस्त कर दिया था, जबकि एकलपीठ के याचिकाकर्ताओं को अगस्त माह में ही इसकी जानकारी थी कि काउंसलिंग में वह प्रमाण पत्र पेश करना है, जिसमें कक्षा 11वीं में बायोलॉजी विषय होने की जानकारी हो। वहीं, तय प्रक्रिया पूरी होने के बाद एकलपीठ में याचिका दायर की गई, जबकि स्ट्रे वैकेंसी राउंड में अपीलार्थी सहित अन्य अभ्यर्थियों ने 11वीं कक्षा में बायोलॉजी विषय होने के संबंध में प्रमाण पत्र पेश किया था और याचिकाकर्ता ने ऐसा कोई प्रमाण पत्र पेश नहीं किया था। इसलिए उन्हें सीट आवंटित नहीं की गई। ऐसे में अपीलार्थियों का सीट आवंटन निरस्त नहीं किया जा सकता। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने सीट आवंटन निरस्त करने पर रोक लगा दी है।

संविधान की प्रस्तावना में "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्षता" शब्द शामिल किए जाने के खिलाफ याचिकाएं खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इतने वर्षों बाद इस प्रक्रिया को निरस्त नहीं किया जा सकता

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता का क्रियान्वयन सरकार पर निर्भर है।**
- **ज्ञातव्य है कि आपातकाल में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संविधान संशोधन के जरिए प्रस्तावना में "समाजवाद" व "धर्मनिरपेक्षता" शब्द जुड़वाए थे।**
- **भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी और अश्विनी उपाध्याय ने पृथक- पृथक याचिकाएं दायर कर इन शब्दों को हटाने की मांग की थी और कहा था कि आपातकाल में संसद द्वारा पारित संशोधन अमान्य हैं, पर कोर्ट ने उनके तर्क को ठुकरा दिया।**

नयी दिल्ली, 25 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना में "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्दों को शामिल किये जाने को चुनौती देने वाली याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि संबंधित रिट याचिकाओं पर आगे विचार-विमर्श और निर्णय की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने कहा, हमने स्पष्ट किया है कि इतने वर्षों के बाद प्रक्रिया को इस तरह से निरस्त नहीं किया जा सकता। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता क्या है और इसे कैसे लागू किया जाता है, यह सरकार की नीति पर निर्भर करेगा।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने याचिकाएँ दायर की थीं। शीर्ष अदालत ने 22 नवंबर को कहा था कि संविधान में 1976 में किए गए संशोधन में प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्दों को शामिल किया गया था, जिसकी न्यायिक समीक्षा की गई थी और वह यह नहीं कह सकता कि आपातकाल के दौरान संसद ने जो कुछ भी किया, वह सब निरर्थक था। पीठ ने पहले भी कहा था कि ऐसे कई फैसले हैं, जिनमें शीर्ष अदालत ने कहा है कि धर्मनिरपेक्षता मूल ढांचे का हिस्सा है और वास्तव में इसे मूल ढांचे के रूप में अपरिवर्तनीय हिस्से का दर्जा दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत में आपातकाल की घोषणा दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को की थी, जो 21 मार्च 1977 तक लागू रही। केंद्र की इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 1976 में किए गए 42वें संविधान संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द शामिल किए गए थे।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908